RNI NO. PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

पेज 07

एक्ट्रेस ने बयां की जिंदगी की सबसे मुश्किल दास्तान, कंगना शर्मा का छलका दर्द

VOL: 03 | ISSUE 209 | SATURDDAY DATE 22-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

कार की टक्कर से महिला की मौत, सांसद के बेटे पर केस

हैदराबाद, यूटर्न/ 21 अगस्त। हैदराबाद के माधापुर इलाके में 16 अगस्त को हुए सड़क हादसे में 26 वर्षीय महिला की मौत मामले में पुलिस ने आंध्र प्रदेश से जनसेना पार्टी के राज्यसभा सांसद और उद्योगपति लिंगमानेनी रमेश के 21 वर्षीय बेटे लिंगमानेनी संजुश को आरोपी बनाया है। पुलिस ने उसे नोटिस जारी कर जांच में शामिल होने के निर्देश दिए हैं। माधापुर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सी. श्रीधर ने मीडिया को बताया कि मामले में संजुश को अभी गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि यह जमानती अपराध है और इसमें अधिकतम सजा सात साल से कम है। पुलिस हादसे से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, 16 अगस्त को माधापुर इलाके में कार की टक्कर से 26 वर्षीय महिला की मौत हो गई थी। घटना के बाद मामले की जांच शुरू की गई और जांच के दौरान सांसद के बेटे का नाम सामने आया। इसके आधार पर पुलिस ने उसे आरोपी बनाया और कानूनी प्रक्रिया के तहत नोटिस जारी किया है।

कुर्ला में हाइड्रोलिक क्रेन गिरने से 10 लोग घायल

मुंबई, यूटर्न/ 21 अगस्त। मुंबई के कुर्ला इलाके के कुरेशी नगर में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात एक बड़ा हादसा हो गया, जब एक हाइड्रोलिक क्रेन एक इमारत में सामान उठाते वक्त गिर गई। इस हादसे में कम से कम 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। क्रेन रेलवे के हाई-टेंशन ओवरहेड तारों, पास की झुग्गियों, सम्राट अशोक नगर की सड़क, एक कंपाउंड वॉल और एमएचएडीए बिल्डिंग के कंपाउंड में खड़ी तीन गाड़ियों पर गिरी। घायलों में सादिक कुरैशी नामक एक शख्स के जीजा और बहन भी शामिल हैं। सादिक ने बताया कि उनकी बहन और जीजा को गंभीर चोटें आई हैं, खासकर उनके जीजा की आंखों के आसपास, और उन्हें कुर्ला वेस्ट के भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पड़ोसी चार लोग और पीछे के घर में शादी में आए बच्चों और बड़ों को भी चोटें लगी हैं। सादिक के अनुसार, क्रेन एमएमआरडी की बिल्डिंग को तोड़ने के लिए लाई गई थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि रात 12:30 बजे क्रेन आई और रिहायशी इलाकों से होते हुए एमएमआरडी इलाके में को ले जाई जा रही थी।

राहुल गांधी कर रहे अराजकता की राजनीति: रविशंकर प्रसाद

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 अगस्त।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 20 जुलाई को प्रदर्शन के दौरान पेलेट गन से घायल हुए 19 वर्षीय छात्र साहिल लोचब के साथ पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पर धरना शुरू कर दिया है। राहुल गांधी और कांग्रेस प्रतिनिधियों की मांग है कि जिम्मेदार सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर प्राथमिक एफआईआर बनाई जाए। राहुल गांधी ने स्पष्ट किया है कि जब तक पुलिस इस विशिष्ट शिकायत को आधिकारिक रूप से दर्ज नहीं कर लेती, वे थाने से नहीं हटेंगे। इस बीच राहुल गांधी के इस कदम पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कड़ा ऐतराज जताते हुए कहा कि राहुल गांधी बिना किसी पूर्व अनुमति या सूचना के थाने में बैठकर अराजकता की राजनीति कर रहे हैं।

□ संसद मार्ग थाने पर धरने को लेकर भाजपा का हमला

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि संबंधित मामले की शिकायत दर्ज हो चुकी है और सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति इसकी जाँच कर रही है। प्रसाद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस वंदे मातरम के मुद्दे पर घिरने के बाद ध्यान भटकाने के लिए अराजकता की राजनीति कर रही है।

दिल्ली के करोल बाग में दो मंजिला इमारत गिरी, मलबे में दबकर मजदूर की मौत

नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 अगस्त। दिल्ली के करोल बाग इलाके में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ। रेगरपुरा में एक दो-मंजिला इमारत को अवैध तरीके से गिराए जाने के दौरान पूरा ढांचा अचानक ढह गया। इस हादसे में मलबे में दबकर एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना सुबह लगभग 11:15 बजे, बिल्डिंग नंबर 3512, प्यारे लाल रोड, रेगरपुरा, करोल बाग, दिल्ली की है। करोल बाग के रेगरपुरा इलाके में प्यारे लाल रोड पर स्थित इस पुरानी इमारत को गिराने का काम चल रहा था, तभी अचानक यह भरभराकर गिर गई। शुरूआती जांच में सामने आया है कि इमारत को मालिकों द्वारा नियुक्त एक प्राइवेट कॉन्ट्रैक्टर गिरा रहा था। पुलिस के मुताबिक संबंधित एजेंसी से इसे गिराने के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। बिना किसी सुरक्षा उपाय और बिना अनुमति के तोड़-फोड़ का काम किया जा रहा था।

हवा बिगाड़ने वालों पर गिरी गाज 7 महीने में 106 उद्योगों पर कार्रवाई

जनवरी से जुलाई 2026 के बीच 2,011 औद्योगिक इकाइयों का हुआ गहन निरीक्षण

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 अगस्त।

पर्यावरण नियमों का पालन करने वाले उद्योगों को पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन दिल्ली की आबोहवा को प्रदूषित करने वालों के खिलाफ कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के इस कड़े संदेश के साथ दिल्ली सरकार ने प्रदूषण के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। औद्योगिक कचरे और धुएं पर नकेल कसने के साथ-साथ सरकार इस लड़ाई को 'ग्रीन दिल्ली ऐप' और 'एमसीडी 311 ऐप' के जरिए एक जन-आंदोलन बनाने की तैयारी में है, ताकि नागरिकों की सीधी भागीदारी से प्रदूषण के हर स्रोत पर तुरंत प्रहार किया जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में चलाए जा रहे इस मुहिम के तहत जनवरी से जुलाई 2026 के बीच 2,011 औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 106 इकाइयां निर्धारित पर्यावरणीय मानकों का पालन नहीं करती हुई पाई गईं, जबकि 78 इकाइयां दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) से वैध संचालन की सहमति के बिना संचालित होती मिलीं। सरकार ने इन निरीक्षणों के बाद नियमों का उल्लंघन करने वाली इकाइयों के खिलाफ कार्रवाई भी की है। 44 मामलों में पर्यावरण मुआवजा लगाया गया है, जबकि 33 गैर-अनुपालन वाली औद्योगिक इकाइयों के खिलाफ क्लोजर ऑर्डर जारी किए गए हैं। अन्य मामलों में भी संबंधित पर्यावरणीय कानूनों और नियमों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली को स्वच्छ हवा देना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। पर्यावरणीय नियमों का पालन करने वाले उद्योगों को सरकार हर संभव सहयोग देगी, लेकिन जो इकाइयां नियमों का उल्लंघन करेंगी या दिल्ली की हवा को प्रदूषित करेंगी, उनके खिलाफ किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। हमारा उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि प्रदूषण के स्रोत पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करना है।

सरकार के अभियान का फोकस केवल औद्योगिक प्रदूषण तक सीमित नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण के अन्य प्रमुख स्रोतों, जैसे सड़क की धूल, वाहनों से होने वाला प्रदूषण, निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियां, कचरा जलाने और अन्य प्रदूषणकारी गतिविधियों पर भी कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही औद्योगिक उत्सर्जन की नियमित और जमीनी स्तर पर निगरानी बढ़ाई गई है ताकि प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों की समय पर पहचान कर कार्रवाई की जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। दिल्ली के नागरिक भी इस अभियान में महत्वपूर्ण भागीदार हैं।

ओडिशा में बाढ़ की स्थिति गंभीर, सात जिलों के 13.44 लाख लोग प्रभावित

भुवनेश्वर, यूटर्न/ 21 अगस्त। ओडिशा में बाढ़ की स्थिति अभी भी गंभीर बनी हुई है। राज्य के कई इलाकों में सैकड़ों गांव और लाखों लोग अब भी बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं। राज्य सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही है तथा राहत, बचाव और जरूरी सेवाओं की बहाली का काम जारी है। विशेष राहत आयुक्त के कार्यालय में स्थित स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ से राज्य के सात जिले प्रभावित सर्वाधिक प्रभावित हैं। इनमें बालेश्वर, मयूरभंज, भद्रक, जाजपुर, केंदुझार, केंद्रपाड़ा और सुंदरगढ़ शामिल हैं। विशेष राहत आयुक्त कार्यालय के अनुसार, इन सात जिलों के 76 ब्लॉकों, 505 ग्राम पंचायतों, 1,703 गांवों और 12 शहरी स्थानीय निकायों में रहने वाले 13,44,698 लोग लगातार बनी बाढ़ की स्थिति से प्रभावित हुए हैं।

केजरीवाल का केंद्र सरकार पर हमला, बोले- प्रति व्यक्ति आय में बांग्लादेश से भी पीछे हुआ भारत

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 अगस्त।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारत की आर्थिक स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। केजरीवाल ने दावा किया कि वर्ष 2026 में भारत प्रति व्यक्ति आय के मामले में बांग्लादेश से भी पीछे हो गया है। उन्होंने कहा कि जिस भारत को दुनिया की बड़ी आर्थिक ताकत बनाने का सपना दिखाया गया था, आज वह प्रति व्यक्ति आय के मामले में अपने पड़ोसी देश से पीछे पहुंच गया है। अरविंद केजरीवाल के मुताबिक, वर्ष 2026 में भारत की प्रति व्यक्ति आय करीब 2,800 डॉलर है, जबकि बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय करीब 2,900 डॉलर तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति देश के लिए चिंता का विषय है। केजरीवाल ने वर्ष 2014 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि उस समय भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग 1,600 डॉलर थी, जबकि बांग्लादेश की प्रति व्यक्ति आय करीब 1,100 डॉलर थी। उनके अनुसार, उस समय भारत बांग्लादेश से काफी आगे था, लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं और बांग्लादेश भारत से आगे निकल गया है। केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2014 में देश की जनता ने उम्मीद के साथ भाजपा को सत्ता सौंपी थी। लोगों को उम्मीद थी कि भारत तेजी से आर्थिक विकास करेगा और दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्तियों में शामिल होगा।

जापानी तकनीक और यूपी की युवा शक्ति से बनेगी हेल्थकेयर की नई साझेदारी

» लखनऊ, यूटर्न/ 21 अगस्त।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी-जापान हेल्थकेयर एंड केयर इकॉनामी पार्टनरशिप के सेक्टोरल सेशन में उत्तर प्रदेश और जापान के बीच हेल्थकेयर, मेडिकल एजुकेशन, रोबोटिक्स, फार्मा और कुशल मानव संसाधन के क्षेत्र में साझेदारी की नई संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश की युवा शक्ति और जापान की अत्याधुनिक तकनीक का संगम दोनों देशों के लिए हेल्थकेयर सेक्टर में नए अवसर पैदा कर सकता है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुका है। बेहतर कानून-व्यवस्था, एक्सप्रेसवे, एयर कनेक्टिविटी, बिजली और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास ने प्रदेश को निवेश के लिए अनुकूल बनाया है। उन्होंने कहा कि जापान तकनीक, गुणवत्ता और कार्यकुशलता के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है, जबकि उत्तर प्रदेश के पास बड़ी युवा आबादी और प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 47 से बढ़कर 83 से अधिक हो गई है। मेडिकल कॉलेजों के साथ नर्सिंग कॉलेज भी विकसित किए जा रहे हैं और एमबीबीएस, एमडी, नर्सिंग तथा पैरामेडिकल सीटों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

मेडिकल एजेंसी से 10 लाख रुपये से अधिक की धोखाधड़ी

गाजियाबाद, यूटर्न/ 21 अगस्त। गाजियाबाद के घंटाघर स्थित अमरजीत मेडिकल एजेंसी में 10 लाख रुपये से अधिक की वित्तीय धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। फर्म के एक कर्मचारी पर भुगतान रिकॉर्ड में हेरफेर और गबन का आरोप है। फर्म संचालिका हरविंदर मक्कड़ ने आरोपी कर्मचारी आकाश राठौर के खिलाफ केस दर्ज कराया है। कार्यवाहक एसीपी नगर कोतवाली जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि पीड़ित हरविंदर मक्कड़ के मुताबिक गोशाला फाटक पर रहने वाले आकाश राठौर उनकी फर्म में दवाइयों की आपूर्ति और भुगतान संग्रह का काम करता था। जांच के दौरान उसके द्वारा किए गए भुगतानों में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। जांच में सामने आया कि आकाश ने भुगतान संबंधी दस्तावेजों में छेड़छाड़ और ओवरराइटिंग की। जानबूझकर फर्म के रिकॉर्ड में हेरफेर किया गया। इसके परिणामस्वरूप ग्राहकों से प्राप्त भुगतान फर्म के खातों में सही ढंग से दर्ज नहीं हुए। बिलों और ग्राहक खातों के सत्यापन के बाद 10 लाख रुपये से अधिक की वित्तीय अनियमितता का खुलासा हुआ। फर्म का मानना है कि विस्तृत ऑडिट के बाद यह राशि और बढ़ सकती है। पुलिस ने आकाश राठौर को गिरफ्तार कर लिया है।

लाखों के गहने और नकदी चोरी, सीसीटीवी में कैद चोर

साहिबाबाद, यूटर्न/ 21 अगस्त। अंबेडकर नगर कॉलोनी में बुधवार रात एक मकान से लाखों के गहने और नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है। वारदात के समय परिवार के लोग सो रहे थे। पीड़ित खदल प्रसाद निवासी अंबेडकर नगर ने बताया कि उनके घर में चोरों ने एक बैग से लाखों रुपये के जेवर और सात हजार रुपये चोरी करके ले गए। घटना का पता अगले दिन सुबह उठने पर लगा।

दिल्ली में इसी महीने पूरे होंगे सभी पेंडिंग रिफॉर्म्स

संधू ने अधिकारियों को दी डेडलाइन

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 अगस्त।**

उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शुक्रवार को राजधानी में नियमों को सरल बनाने और अनावश्यक प्रक्रियाओं को कम करने के लिए चल रही कवायद की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी लंबित सुधारों को बिना किसी और देरी के इस महीने के अंत तक पूरा किया जाए। बैठक में मुख्य सचिव, नगर निगम आयुक्त, दिल्ली विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष समेत शिक्षा, शहरी विकास, पर्यटन और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आम लोगों को कम चक्कर लगाने पड़ें

उपराज्यपाल ने कहा कि सुधारों का असली असर सरकारी आंकड़ों में नहीं, बल्कि आम लोगों की जिंदगी में दिखाई देना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि दुकानदार, छोटे कारोबारी, स्कूल संचालक या मरीज को पहले की तुलना में कम कागजी कार्रवाई, कम सरकारी दफ्तरों के चक्कर और जल्दी मंजूरी मिलनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी लंबित सुधार को विभागों के बीच पत्राचार तक सीमित न रखा जाए। सभी जरूरी सुधारों की अधिसूचना जल्द जारी की जाए। बैठक में बताया गया कि दिल्ली के लिए नई मास्टर प्लान-2047 अधिसूचित होने के

बाद पहले चरण के कई लंबित सुधारों का रास्ता साफ हो गया है। पहले चरण में कुल 23 प्राथमिक क्षेत्रों में से 13 सुधार लागू किए जा चुके हैं, जबकि 4 को नए श्रम कानूनों के लागू होने के बाद लागू नहीं माना गया है। बाकी 6 सुधारों को नई मास्टर प्लान के जरिए काफी हद तक पूरा किया गया है। इनमें जमीन के इस्तेमाल से जुड़े नियमों में लचीलापन, औद्योगिक क्षेत्रों के लिए सड़क की न्यूनतम चौड़ाई, औद्योगिक और व्यावसायिक भूखंडों के भवन नियम, भवन मंजूरी में अधिकृत तीसरे पक्ष की भूमिका और कम तथा मध्यम जोखिम वाली इमारतों के निरीक्षण जैसे विषय शामिल हैं। बैठक में बताया गया कि दिल्ली के बचे हुए 48 गांवों के शहरीकरण की अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। इसके बाद दिल्ली में कोई भी क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्र के रूप में नहीं रहेगा। दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर से एकीकृत भवन उपनियमों में प्रस्तावित बदलावों की अंतिम अधिसूचना भी जल्द जारी किए जाने की बात कही गई। दूसरे चरण के तहत सात प्राथमिक सुधार लागू किए जा चुके हैं। इनमें नगर निगम के दोहरे व्यापार लाइसेंस को खत्म करना, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए स्थायी पंजीकरण तथा 200 किलोवाट तक के बिजली कनेक्शन के लिए बिना निरीक्षण सुविधा देना शामिल है। दो अन्य सुधारों को भी कार्यबल ने लागू मानने की सिफारिश की है। इनमें चिकित्सकों के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाना और एकल खिड़की व्यवस्था के जरिए सेवाएं देने में लगने वाला समय कम करना शामिल है।

बैठक में बताया गया कि दिल्ली कारोबार सुगमता विधेयक, 2026 को कैबिनेट निर्देशों के अनुसार दोबारा तैयार कर लिया गया है। इसे जल्द ही दिल्ली कैबिनेट के सामने मंजूरी के लिए रखा जाएगा।

वहीं दिल्ली नागरिकों को समयबद्ध सेवा देने के अधिकार विधेयक, 2026 को कैबिनेट की मंजूरी मिल चुकी है और विधानसभा से भी इसे पारित किया जा चुका है।

पुलिस मुठभेड़ में छिनैती का शातिर बदमाश घायल, सात मोबाइल फोन बरामद

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 21 अगस्त।**

सिहानी गेट पुलिस ने एक मुठभेड़ के बाद छिनैती करने वाले एक शातिर बदमाश को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। बदमाश के कब्जे से सात मोबाइल फोन, एक चोरी की स्कूटी और अवैध हथियार बरामद किए गए हैं। उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गया।

एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि बुधवार की देर रात हमदर्द चौराहा क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली थी। बताया गया कि दो बदमाश चोरी की स्कूटी और अवैध हथियारों के साथ हमदर्द चौराहे की ओर आ रहे हैं। पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी की। स्कूटी सवार दोनों व्यक्तियों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पीछा करने पर उनकी स्कूटी फिसलकर गिर गई। इसके बाद बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश को गिरफ्तार कर अस्पताल भेजा गया। गिरफ्तार बदमाश की पहचान शादाब उर्फ शाहरुख के रूप में हुई है। वह गाजियाबाद के कैला भट्टा का निवासी है। पूछताछ में उसने अपने फरार साथी का नाम समीर बताया। समीर गाजियाबाद के विजयनगर का रहने वाला है। पुलिस ने शादाब के पास से एक तमंचा, कारतूस और सात छीने गए मोबाइल फोन और स्कूटी बरामद की गई है। शादाब के खिलाफ सिहानी गेट में चोरी, छिनैती सहित पांच प्राथमिकी दर्ज हैं। एसीपी ने बताया कि इसके फरार साथी को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गुमशुदा लोगों की तलाश में पुलिस को 19 महीने में मिली बड़ी कामयाबी, 95 प्रतिशत से ज्यादा बच्चे बरामद

नोएडा, यूटर्न/ 21 अगस्त। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस ने गुमशुदा और अपहृत बालक-बालिकाओं के साथ-साथ लापता स्त्री-पुरुषों की सकुशल बरामदगी को प्राथमिकता देते हुए व्यापक अभियान चलाया है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में 1 जनवरी 2025 से 31 जुलाई 2026 तक तीनों जोन में दर्ज गुमशुदगी के मामलों में पुलिस ने बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित बरामद कर उनके परिवारों से मिलाया है। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में कुल 3,348 स्त्री-पुरुषों की गुमशुदगी दर्ज हुई, जिनमें से 2,962 यानी 88.47 प्रतिशत लोगों को सकुशल बरामद किया गया। वहीं, बालक-बालिकाओं से संबंधित 650 अभियोग दर्ज हुए, जिनमें 619 यानी 95.23 प्रतिशत बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। पुलिस के अनुसार गुमशुदा लोगों की तलाश में इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस, सीसीटीवी कैमरों की फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों, सोशल मीडिया और मुखबिर तंत्र का इस्तेमाल किया गया। प्राप्त सूचनाओं का तकनीकी विश्लेषण कर पुलिस टीमों ने संभावित स्थानों पर दबिश और तलाश की। इसके अलावा रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, सार्वजनिक स्थानों और आश्रय गृहों पर भी खोजबीन की गई। नोएडा जोन के नौ थाना क्षेत्रों में कुल 965 स्त्री-पुरुषों की गुमशुदगी दर्ज की गई थी। इनमें 540 महिलाएं और 270 पुरुषों समेत कुल 810 लोगों को सकुशल बरामद किया गया, जो 83.93 प्रतिशत है। इस जोन में 155 स्त्री-पुरुषों की बरामदगी अभी शेष है। इसी तरह 249 बालक-बालिकाओं से संबंधित अभियोग दर्ज किए गए, जिनमें 207 बालिकाएं और 29 बालक सहित कुल 236 बच्चों को बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार 13 बच्चों की बरामदगी अभी बाकी है।

ट्रांसफार्मर समेत बीच रास्ते में गिर गए खंभे, घंटों बाधित रही बिजली

गाजियाबाद, यूटर्न/ 21 अगस्त। विक्रम एंक्लेव में बृहस्पतिवार सुबह ट्रांसफार्मर खंभों समेत बीच रास्ते में गिर गया। इससे जहां पूरे इलाके की बिजली चार घंटे तक बाधित रही। वहीं बड़ा हादसा होने से भी टल गया। स्थानीय लोगों ने ऊर्जा निगम के अफसरों पर लगातार शिकायत करने के बावजूद भी पुराने जंग लगे खंभों को न बदलने का आरोप लगाया। स्थानीय पार्षद रवि भाटी ने बताया कि सुबह छह बजे 11 हजार क्षमता की लाइन में करंट दौड़ रहा था। इसी दौरान जिन दो खंभों पर ट्रांसफार्मर लगा हुआ था, वह बीच रास्ते में गिर गया। उस वक्त ट्रांसफार्मर से भी सप्लाई दी जा रही थी। 11 हजार की लाइनों पर ट्रांसफार्मर और खंभे झूलते रहे। हादसे के कारण लोगों ने वहां से निकलना बंद कर दिया। सूचना निगम के अफसरों को दी गई। निगम की टीम के पहुंचने पर काफी संख्या में लोग भी वहां एकत्र हो गए। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि लंबे समय से खंभे गले हुए थे। आसपास में कई और खंभे भी गलकर झुक रहे हैं, सूचना देने के बावजूद नए खंभे लगाने की जरूरत नहीं समझी जा रही है। चार घंटे में ऊर्जा निगम की टीम ने खंभों को दुरुस्त कर लाइन को चालू कराया। गनीमत रही कि किसी तरह बड़ा हादसा होने से बच गया। सुबह लोग इस मार्ग पर टहलने के लिए निकलते हैं। उधर, बिजली गुल होने से हजारों की आबादी परेशान हो गई। कई बच्चे समय पर स्कूल नहीं जा सके तो नौकरी पेशा लोग समय पर ड्यूटी नहीं पहुंच सके।

स्कूली वाहनों की सुरक्षा पर सख्त हुआ विभाग, गाजियाबाद और हापुड़ में सघन चेकिंग

गाजियाबाद, यूटर्न/ 21 अगस्त। स्कूली वाहनों में नौनिहालों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए परिवहन विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। मिशन सेफ फ्यूचर 2.0 अभियान के तहत बृहस्पतिवार को संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन डॉ. सियाराम वर्मा ने गाजियाबाद और हापुड़ के विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर स्कूली वाहनों का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान आरटीओ ने वाहनों की तकनीकी फिटनेस, सुरक्षा उपकरण और अन्य जरूरी मानकों की जांच की। दोनों जनपदों में अभियान के तहत चल रही प्रवर्तन कार्रवाई की समीक्षा भी की गई। डॉ. सियाराम वर्मा ने स्कूल प्रबंधन और वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बच्चों की जान से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एम डब्ल्यू बी द्वारा किए जा रहे पत्रकार कल्याण में मुकेश गर्ग और भोपाल सिंह खदरी की सराहनीय पहल को समर्थन

एम डब्ल्यू बी द्वारा पत्रकारों को 10-10 लाख रुपये की निशुल्क दुर्घटना बीमा पॉलिसियां वितरित, कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा भी

एसएसपी कमलदीप ने बीमा सुरक्षा बढ़ाने पर दिया जोर

» **राजेश सलूजा**

हरियाणा/हिसार, यूटर्न/ 21 अगस्त। पत्रकारों के कल्याण और उनके परिवारों की सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मीडिया वेलबीइंग एसोसिएशन की जिला यमुनानगर इकाई ने एक महत्वपूर्ण पहल की। शुक्रवार को मुख्य पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस, जगाधरी में आयोजित कार्यक्रम में जिले के पत्रकारों को संगठन की ओर से निशुल्क 10-10 लाख रुपये की दुर्घटना बीमा पॉलिसियां वितरित की गईं। पत्रकारों को टर्म इंश्योरेंस के साथ कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री के ओएसडी एवं ग्रीवेंस रिड्रेसल टू सीएम, हरियाणा भोपाल सिंह खदरी ने की। हरियाणा विद्युत नियामक आयोग के चेयरमैन एडवोकेट मुकेश गर्ग मुख्य अतिथि रहे, जबकि यमुनानगर के एसएसपी कमलदीप गोयल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम में पत्रकारों के कल्याण, सामाजिक दायित्व, बदलती पत्रकारिता, तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के

बढ़ते उपयोग पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

भोपाल सिंह खदरी ने कहा–पत्रकार समाज और सरकार के बीच महत्वपूर्ण सेतु

भोपाल सिंह खदरी ने मीडिया वेलबीइंग एसोसिएशन की पहल की सराहना करते हुए कहा कि पत्रकार समाज और सरकार के बीच महत्वपूर्ण सेतु का काम करते हैं। पत्रकार एक ओर जनता की समस्याओं और अपेक्षाओं को सरकार तक पहुंचाते हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार की नीतियों, योजनाओं और उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के कल्याण के लिए सामूहिक प्रयास किया जाना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रशेखर धरणी द्वारा पत्रकारों और उनके परिवारों के हित में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस तरह संगठन पत्रकारों की सामाजिक सुरक्षा और कठिन समय में उनके परिवारों की सहायता के लिए आगे आ रहा है, वह सराहनीय है। खदरी ने कहा कि पत्रकारों को निशुल्क दुर्घटना बीमा उपलब्ध करवाना केवल आर्थिक सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि उनके परिवारों के भविष्य की चिंता से जुड़ा मानवीय प्रयास भी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पत्रकार कल्याण से जुड़े किसी विषय में सरकार की ओर से सहयोग की संभावना होगी तो वह अपने स्तर पर प्रयास करेंगे।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

गोविंद नगर से बसपा को जिताने की जोरदार तैयारी में जुटी टीम आशीष कश्यप , बी आर अहिरवार ने की बैठक

» सुनील बाजपेई

कानपुर, यूटर्न/ 21 अगस्त । आगामी 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए बहुजन समाज पार्टी भी बहुत मजबूती के साथ कमर कर चुकी है।इसके लिए बैठकों का दौर भी लगातार जारी है ,जिसके क्रम में बहुजन समाज पार्टी के ओबीसी भाईचारा संगठन की गोविंद नगर के गुजैनी में विधानसभा स्तरीय बैठक हुई, जिसमें अच्छी छवि और व्यवहार कुशलता को लेकर चर्चित पार्टी को मजबूत करने की दिशा में सर्वाधिक सक्रिय युवा नेता आशीष कश्यप की अगुवाई में युवा वर्ग भी बड़ी संख्या में शामिल हुआ।

आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण इस बैठक को संबोधित करते हुए बसपा के प्रति समर्पित जमीन से जुड़े , हर किसी के सुख-दुख में सदैव खड़े होने वाले तेज तर्रार और व्यवहार कुशल वरिष्ठ बसपा नेता ओबीसी भाईचारा संगठन में कानपुर मंडल के मुख्य प्रभारी बीआर अहिरवार ने बसपा शासनकाल में पिछड़े वर्ग की शासन में भागीदारी तथा समाज के महापुरुषों के सम्मान में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछड़ा वर्ग हमेशा बसपा के साथ रहा है और अब वह समय नजदीक आ गया है। जब भाईचारा मजबूत कर 2027 में बसपा की सरकार बनाने के लिए कार्यकर्ता हर तरह से तत्काल जुट जायें। वहीं बसपा नेता नरेंद्र कुशवाहा ने कहा कि पिछड़े वर्ग की बसपा सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में मनाया गया सद्भावना दिवस

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 21 अगस्त । राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सेक्टर-30 में सद्भावना दिवस उत्साह एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में रिटायर्ड हिंदी प्रवक्ता शिवकुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।इस अवसर पर विद्यार्थियों को आपसी भाईचारे, प्रेम, शांति, एकता एवं सद्भावना का महत्व बताया गया। विद्यार्थियों को समाज में आपसी सहयोग और सौहार्द बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को लड्डू वितरित किए गए। संस्थान के स्टाफ सदस्यों ने भी विद्यार्थियों को सद्भावना एवं एकता की भावना को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना रहा। इस मौके पर संस्थान के उपप्रधानाचार्य गुरप्रीत सिंह, प्रविंदर पोपली, जगबीर सिंह ममता शर्मा, स्नेह लता, अंकुश, विकास सहित अन्य स्टाफ सदस्य एवं विद्यार्थी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

विमुक्त घुमंतू समुदायों को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ दिलाना प्राथमिकता : चेयरमैन जसमेर सिंह बंजारा

बच्चों की शिक्षा और पोषण पर रहे विशेष फोकस, जागरूकता के लिए लगाए जाएं कैंप

जहां घुमंतू परिवार बसे हैं वहां पानी, बिजली व मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 21 अगस्त । विमुक्त, घुमंतू एवं टपरीवास समुदायों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान तथा उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का पूरा लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला सचिवालय सभागार में समीक्षा एवं जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हरियाणा विमुक्त घुमंतु जाति विकास बोर्ड के चेयरमैन जसमेर सिंह बंजारा ने की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

चेयरमैन जसमेर सिंह बंजारा ने कहा कि विमुक्त, घुमंतू एवं टपरीवास समुदाय के लोगों तक सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी पहुंचाने के साथ-साथ उन्हें इनका वास्तविक लाभ दिलाना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस समुदाय के लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझें और उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान करवाएं।

उन्होंने कहा कि समुदाय के प्रत्येक पात्र व्यक्ति का आधार कार्ड और पहचान पत्र बनवाने पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि वे सरकारी योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रहें। जिन स्थानों पर इन परिवारों की बस्तियां या अस्थायी आवास हैं, वहां पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। बंजारा ने कहा कि बच्चों की शिक्षा को लेकर विशेष गंभीरता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन समुदायों के बच्चों को स्कूलों से जोड़ा जाए और उनकी पढ़ाई को प्रोत्साहित किया जाए। बच्चों की छोटी-मोटी गलतियों को नजरअंदाज करते हुए उन्हें सकारात्मक वातावरण दिया जाए, ताकि वे शिक्षा से जुडकर आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा और जागरूकता ही इस समुदाय के सामाजिक उत्थान का मजबूत आधार बन सकती है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए समुदाय की बस्तियों और कॉलोनियों में जागरूकता शिविर लगाए जाएं। इन शिविरों के माध्यम से लोगों को योजनाओं, दस्तावेजों, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा सामाजिक सुरक्षा से संबंधित सुविधाओं की जानकारी दी जाए और पात्र लोगों को मौके पर योजनाओं से जोडने की प्रक्रिया शुरू की जाए। चेयरमैन ने कुपोषण और शोषण के मामलों पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि केवल बैठकों तक सीमित रहने के बजाय जमीनी स्तर पर जाकर कार्यों की निगरानी की जाए और इसकी मासिक रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग इस कार्य में रुचि लेकर जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। अधिकारियों को नियमित रूप से समुदाय की कॉलोनियों का दौरा करना चाहिए और वहां रहने वाले लोगों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना चाहिए।

खाद्य माइकोलॉजी में प्रो. के.आर. अनेजा विश्व में आठवें स्थान पर

कुलगुरु प्रो . सोमनाथ सचदेवा ने दी बधाई

संजीव कुमारी/थानेसर, यूटर्न/ 21 अगस्त । कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र एवं वनस्पति विज्ञान तथा सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के पूर्व संकाय सदस्य प्रो. के.आर. अनेजा ने नवीनतम एडी साइंटिफिक इंडेक्स रैंकिंग में खाद्य माइकोलॉजी के क्षेत्र में विश्व स्तर पर आठवीं रैंक हासिल की है। उन्हें सभी विषयों के वैज्ञानिकों में विश्व के शीर्ष 5.5 प्रतिशत वैज्ञानिकों में स्थान मिला है तथा वे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रथम रैंक वाले संकाय सदस्य बने हैं। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने प्रो. अनेजा को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके दशकों के समर्पण, शोध के प्रति प्रतिबद्धता और सूक्ष्मजीव विज्ञान एवं माइकोलॉजी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान का प्रमाण है। इस प्रकार की उपलब्धियां न केवल हमारे वर्तमान संकाय सदस्यों और युवा शोधकताओं को प्रेरित करती हैं.

हरियाणा में एसआईआर को लेकर कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट अलर्ट: 'चुनाव आयोग की मनमानी से किसी पात्र का वोट कटने नहीं देंगे: एडवोकेट खोवाल

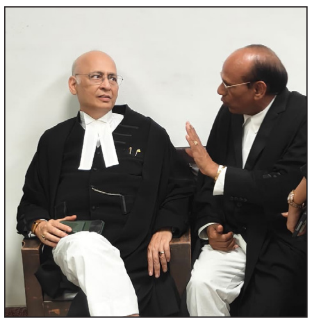

राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ . अभिषेक मनु सिंघवी के निर्देश पर एडवोकेट खोवाल का कड़ा रुख ;अदालत जाने से भी नहीं हटेंगे पीछे

» हरियाणा, यूटर्न/ 21 अगस्त ।

हरियाणा में चल रही मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया (एसआईआर - स्पेशल समरी रिवीजन) को लेकर कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट पूरी तरह से एक्शन मोड में आ गया है।जिसके तहत हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी लीगल डिपार्टमेंट के स्टेट चेयरमैन एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में एआईसीसी लीगल डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय चेयरमैन एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सांसद डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी से मुलाकात की और प्रदेश की चुनावी परिस्थितियों पर गंभीर मंथन किया।इस दौरान डॉ. सिंघवी ने कड़े निर्देश देते हुए कहा कि यदि प्रदेश में कहीं भी किसी पात्र नागरिक का नाम गलत तरीके से काटा जाता है या फर्जी वोट जोड़ने की शिकायत सामने आती है तो तुरंत संज्ञान लिया जाए और आवश्यकता पड़ने पर अदालतों में याचिका दायर करने से भी पीछे न हटा जाए। जिस पर एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में वोट का अधिकार हर पात्र नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट प्रदेश के सभी 22 जिलों में वकीलों की विशेष टीमें तैनात कर एसआईआर प्रक्रिया पर पैनी नजर रखेगा ताकि किसी भी प्रशासनिक लापरवाही या मनमानी के खिलाफ सड़क से लेकर अदालत तक मजबूती से लड़ाई लड़ी जा सके।

जूडो में चमका ऑक्सफोर्ड का सितारा , हिमांशु ने जीता सिल्वर मेडल

» हरियाणा, यूटर्न/ 21 अगस्त ।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, उकलाना मंडी के प्रतिभावान छात्र हिमांशु ने अंडर-17 जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता रोहतक में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

हिमांशु ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। उसकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय प्रधानाचार्य भुवनेश भारद्वाज ने हिमांशु को बधाई देते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और मेहनत से विद्यार्थी खेलों में नई ऊँचाइयाँ हासिल कर सकते हैं। उन्होंने हिमांशु के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय के निदेशक डॉ. सतीश भारती ने हिमांशु की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ने के लिए उचित अवसर और मार्गदर्शन प्रदान करता है। उन्होंने हिमांशु, उसके अभिभावकों एवं खेल प्रशिक्षकों को हार्दिक बधाई दी। विद्यालय के सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने हिमांशु को उसकी शानदार उपलब्धि के लिए शुभकामनाएँ दीं।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

चार लाख केसों के बोझ तले दबी अदालत के लिए नौ जज

संदीप शर्मा

केंद्र सरकार का पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में नौ वकीलों को एडिशनल जज के तौर पर नियुक्त करने का नोटिफिकेशन स्वागत योग्य है, लेकिन इसे उस समस्या का समाधान नहीं समझना चाहिए जो बरसों से चली आ रही है। ये नियुक्तियां ऐसे समय में हो रही हैं जब हाई कोर्ट में 85 जजों की मंजूर संख्या के मुकाबले सिर्फ.55 जज काम कर रहे हैं, जबकि 4.23 लाख से ज्यादा केस पेंडिंग हैं। नौ नए जज – मोनिका छिब्बर शर्मा, हरमीत सिंह देओल, प्रविंद्र सिंह चौहान, राजेश गौर, पूजा चोपड़ा, सुनीश बिंदलिश, मिंदरजीत यादव, दिव्या शर्मा और रविंद्र मलिक – न्यायिक क्षमता को बहुत जरूरी बढ़ावा देंगे। हरियाणा के एडवोकेट-जनरल प्रविंद्र सिंह चौहान भी उन लोगों में शामिल हैं जिन्हें प्रमोट किया गया है। ये नियुक्तियां सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की 4 मई की सिफारिश के बाद हुई हैं, जिसमें 10 वकीलों का प्रस्ताव दिया गया था। लेकिन आंकड़ों का गणित अभी भी मुश्किल बना हुआ है। इन नियुक्तियों के बाद भी, कोर्ट में जजों की संख्या मंजूर संख्या से कम ही रहेगी। और पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ से जुड़े भारी-भरकम केसों के बोझ वाली अदालत में खाली पद सिर्फ.एक प्रशासनिक असुविधा नहीं हैं। मुकदमा लड़ने वालों के लिए, जज का पद खाली होने का मतलब है एक और तारीख, सुनवाई की एक और तारीख और कई मामलों में, पहले से ही लंबी कानूनी लड़ाई में एक और साल का जुड़ जाना। भारत में 'देर से मिला न्याय, न्याय न मिलने के बराबर है' (Justice delayed is justice denied) एक आम कहावत है, लेकिन चार लाख से ज्यादा पेंडिंग मामलों वाली अदालत में, यह सिस्टम के बारे में चेतावनी के बजाय सिस्टम की असलियत बन जाने का खतरा है। इसलिए केंद्र का फैसला सिर्फ.इसलिए अहम नहीं है कि नौ वकील जज बन रहे हैं, बल्कि इसलिए भी है क्योंकि यह एक बड़े सवाल की ओर इशारा करता हैः न्यायिक क्षमता को जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर के बजाय सिर्फ.खाली पद भरने की कवायद क्यों माना जाता है? पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में हाल के सालों में कई बार नियुक्तियां हुई हैं। फिर भी खाली पद बार-बार सामने आते रहते हैं, जबकि पेंडिंग केसों की संख्या बहुत ज्यादा बनी हुई है। कोर्ट को हाल ही में बढ़ते पेंडिंग केसों और जजों की कमी से निपटने के लिए रिटायर हो चुके जजों को एड-हॉक आधार पर इस्तेमाल करने पर बहस का भी सामना करना पड़ा है। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट बार ने उस प्रस्ताव का विरोध किया था और इसके बजाय नई नियुक्तियों की मांग की थी। बेशक, जजों की कोई ऐसी जादुई संख्या नहीं है जो अचानक सारे पेंडिंग केसों को निपटा दे। नियुक्तियों के साथ-साथ बेहतर कोर्ट मैनेजमेंट, जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर, पर्याप्त सपोर्ट स्टाफ, डिजिटाइजेशन और बेवजह की तारीखों को कम करने की गंभीर कोशिश भी होनी चाहिए। लेकिन जहाँ जजों की जरूरत है, वहाँ इनमें से कोई भी चीज जजों की जगह नहीं ले सकती। इसलिए, हाल की नियुक्तियों को एक शुरूआत के तौर पर देखा जाना चाहिए, न कि ऐसी उपलब्धि के तौर पर जिसे सरकार के नियुक्ति आँकड़ों में दर्ज करके रख दिया जाए। जिस हाई कोर्ट में 85 मंजूर पद हों, उससे यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह काफी कम जजों के साथ तीन अधिकार-क्षेत्रों (jurisdictions) में कुशलतापूर्वक काम कर पाएगा। न्यायपालिका खुद केस पैदा नहीं करती। उसे ये केस ऐसे समाज से मिलते हैं जो विवादों को सुलझाने के लिए तेजी से अदालतों पर निर्भर होता जा रहा है। अगर सरकार चाहती है कि जल्द न्याय मिलना सिर्फ.एक संवैधानिक इच्छा बनकर न रह जाए, तो उसे यह पक्का करना होगा कि अदालतों के पास न्याय देने के लिए जरूरी लोग और इंफ्रास्ट्रक्चर हों।

कब तक जारी रहेगा जहरीली शराब का जानलेवा कहर?

पुलिस जांच के अनुसार, अवैध रूप से अधिक मुनाफा कमाने के लिए इंडस्ट्रियल ग्रेड का घातक मेथनॉल मिक्स किया गया था।मई माह में ही पंजाब के अमृतसर के पांच गांवों में जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हुई थी। गुजरात ने जुलाई 2022 में भी भयावह शराब त्रासदी देखी थी। बोटाद और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब से 42 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उस समय भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, अधिकारियों का तबादला हुआ और अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के दावे किए गए थे।

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में जहरीली शराब से होने वाली मौतें एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक चुनौती बनी हुई हैं, जिसमें ड्राई स्टेट शराबबंदी वाले राज्यों से लेकर अन्य राज्यों तक लगातार दुखद घटनाएं सामने आती रहती हैं। ताजा मामला अगस्त 2026 में गुजरात के भावनगर का है, जहां नकली विदेशी शराब के नाम पर बेची गई जहरीली शराब पीने से 7 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हैं।

जहरीली शराब का यह जानलेवा सिलसिला देश के विभिन्न हिस्सों में समय-समय पर देखने को मिलता है एक गंभीर सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी चुनौती बना हुआ है।ट्रांसनेशनल अलायंस टू कॉम्बैट इलिसिट ट्रेड जैसी संस्थाओं के अनुसार, भारत में अवैध शराब की खपत दुनिया के सबसे बड़े अवैध बाजारों में से एक है।यह न केवल सरकारी राजस्व को भारी चोट पहुँचाता है, बल्कि इसके कारण हर साल सैकड़ों निर्दोष लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है।देश भर में आए दिन जहरीली और नकली शराब से होने वाली मौतें अब केवल दुर्घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि ये घटनाएं हमारी व्यवस्था, कानून और समाज के सामने एक गंभीर सवाल हैं । कुछ दिन सप्ताह माह के अन्तराल पर देश के किसी न किसी हिस्से से खबर आती है कि नकली शराब पीने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ी, कई अस्पताल पहुंचे और कुछ ने दम तोड़ दिया। प्रशासन सक्रिय होता है, गिरफ्तारियां होती हैं, जांच बैठती है, मुआवजे की घोषणा होती है और कुछ समय बाद मामला ठंडे बस्ते में पहुंच जाता है।फिर किसी दूसरे शहर, गांव या राज्य में वही कहानी दोहराई जाती है। सवाल यही है, आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ? आपको बता दें कि ताजा मामला गुजरात के भावनगर जिले का है। गुजरात उन राज्यों में है जहां लंबे समय से शराबबंदी लागू है। इसके बावजूद भावनगर में कथित नकली शराब पीने के बाद कई लोगों की मौत और बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने की घटना सामने आई है। स्थानीय प्रशासन ने चार लोगों की मौत की जानकारी दी थी, जबकि अन्य लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा था।शुरूआती रिपोटों में मौतों की संख्या कम थी, जो बाद में बढ़ी। यह घटना इसलिए भी अधिक गंभीर है, क्योंकि जिस राज्य में शराब की बिक्री और सेवन पर कानूनी प्रतिबंध है, वहां नकली शराब लोगों तक पहुंच कैसे रही है? पुलिस की शुरूआती जांच में एक लोकप्रिय ब्रांड के नाम पर डुप्लीकेट

शराब बेचे जाने और इसके मध्य प्रदेश से लाए जाने की आशंका सामने आई है। पुलिस ने इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को हिरासत में भी लिया है।लेकिन भावनगर कोई पहली घटना नहीं है।हाल ही में मई माह में महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ त्रासदी इलाकों में जहरीली शराब पीने से 14 से 18 लोगों की जान चली गई। पुलिस जांच के अनुसार, अवैध रूप से अधिक मुनाफा कमाने के लिए इंडस्ट्रियल ग्रेड का घातक मेथनॉल मिक्स किया गया था।मई माह में ही पंजाब के अमृतसर के पांच गांवों में जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हुई थी। गुजरात ने जुलाई 2022 में भी भयावह शराब त्रासदी देखी थी। बोटाद और आसपास के इलाकों में जहरीली शराब से 42 लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। उस समय भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हुई, अधिकारियों का तबादला हुआ और अवैध शराब के नेटवर्क को तोड़ने के दावे किए गए थे। सवाल है कि चार वर्ष बाद भी यदि नकली शराब लोगों तक पहुंच रही है तो पिछली कार्रवाई से हमने आखिर सीखा क्या? यह समस्या केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। पंजाब, बिहार, तमिलनाडु, असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्य समय-समय पर ऐसी त्रासदियों के गवाह बने हैं। तमिलनाडु के कालाकुरिची में जून 2024 में मेथेनॉल मिली अवैध शराब ने दर्जनों परिवारों को उजाड़ दिया था। आधिकारिक कार्रवाई के दौरान अवैध शराब जब्त हुई, गिरफ्तारियां हुई और प्रशासनिक अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई।राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों में भी अवैध एवं नकली शराब के सेवन से होने वाली मौतों को अलग श्रेणी में दर्ज किया जाता है। उपलब्ध एनसीआरबी आधारित डेटा 2012 से 2024 तक राज्य वार ऐसी मौतों का हवाला देता है।इससे इतना तो साफ है कि यह किसी एक राज्य या एक क्षेत्र विशेष की समस्या नहीं, बल्कि दशकों से चली आ रही एक खतरनाक चुनौती है।सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अक्सर इन घटनाओं में मरने वाले लोग समाज के आर्थिक रूप से दुर्बल कमजोर वर्ग से आते हैं।सस्ती शराब की तलाश उन्हें ऐसे अवैध कारोबारियों तक पहुंचा देती है जिन्हें न गुणवत्ता की चिंता होती है, न कानून का भय और न इंसानी जीवन की कीमत का एहसास। अधिक नशा पैदा करने या लागत कम रखने के लिए शराब में मेथेनॉल जैसे जहरीले रसायनों की मिलावट जानलेवा साबित हो सकती है।कल्लाकुरिची मामले में भी मेथेनॉल मिश्रित शराब की पुष्टि सामने आई थी।अधिकरत देखा जाता है कि हर बड़ी आसदी के बाद प्रशासन की एक परिचित तस्वीर सामने आती है। छापेमारी शुरू होती है, अवैध ठिकाने बंद किए जाते हैं, संदिग्ध गिरफ्तार होते हैं और पुलिस अधिकारियों से जवाब मांगा जाता है। लेकिन असली चुनौती घटना के बाद कार्रवाई करने की नहीं, घटना होने से पहले नेटवर्क को समाप्त करने की है।अवैध शराब का कारोबार अकेले किसी गली या गांव में बैठा व्यक्ति नहीं चला सकता। कच्चा माल कहां से आता है? बोतलें कहां बनती हैं? लोकप्रिय कंपनियों के नाम और लेबल की नकल कैसे होती है? माल एक जिले से दूसरे जिले और कई बार एक राज्य से दूसरे राज्य तक कैसे पहुंचता है? परिवहन, भंडारण और बिक्री की जानकारी स्थानीय स्तर पर किसी को क्यों नहीं मिलती? यदि वर्षों तक कारोबार चलता रहता है तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कहीं न कहीं प्रशासनिक लापरवाही, स्थानीय संरक्षण या भ्रष्ट तंत्र भी इसका रास्ता आसान कर रहा है। शराबबंदी वाले राज्यों के लिए यह समस्या और बड़ी चुनौती है।केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं होता। यदि वैध बिक्री बंद होने के बाद अवैध बाजार पैदा हो जाए और उसकी निगरानी कमजोर रहे तो तस्करों को अधिक मुनाफे का अवसर मिलता है।शराबबंदी का उद्देश्य समाज को नशे से बचाना है, लेकिन यदि उसी व्यवस्था के भीतर जहरीली शराब का संगठित बाजार फलने लगे तो नीति की समीक्षा और क्रियान्वयन दोनों जरूरी हो जाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि शराबबंदी गलत है या शराब की खुली बिक्री समाधान है।

सड़क पर पैदल चलना भी मौलिक अधिकार, फिर फुटपाथ क्यों बेहाल?

सुनील कुमार महला

सड़क पर पैदल चलना मौलिक अधिकार है, लेकिन आज भारत के कई शहरों में पैदल चलना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है।दरअसल, आज भी बहुत से शहरों में फुटपाथ या तो बने ही नहीं हैं, या उन पर अतिक्रमण, पार्किंग और निर्माण सामग्री के कारण लोगों के चलने की जगह नहीं बचती।ऐसे में यहां पर प्रश्न यह उठता है कि जब किसी व्यक्ति के पास सड़क पर सुरक्षित रूप से पैदल चलने की जगह ही नहीं है, तो उसे वास्तव में आवागमन की आजादी कैसे मिल सकती है?

उक्त संदर्भ में यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि कुछ समय पहले ही यानी कि 19 जून 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में यह कहा है कि सुरक्षित और निर्धारित पैदल मार्ग पर

चलना भी संविधान के अनुच्छेद 19(1)(डी) के तहत आवागमन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है।वास्तव में, यह मामला उस दुखद घटना से जुड़ा हुआ था, जिसमें पांच साल के एक बच्चे की सड़क पर टैंकर की चपेट में आने से मौत हो गई थी।वहां न फुटपाथ था और न ही सड़क पार करने की सुरक्षित व्यवस्था। कहना गलत नहीं होगा कि आज कई भारतीय शहरों में फुटपाथ पर अतिक्रमण, टूटे या गायब फुटपाथ, सड़क पार करने के लिए अपर्याप्त क्रॉसिंग, तेज रफ्तार वाहन और यातायात नियमों का उल्लंघन पैदल यात्रियों के लिए जोखिम बढ़ाते हैं और हमारे देश में पैदल यात्रियों की सुरक्षा अभी भी एक गंभीर चुनौती है। आंकड़ों की बात करें तो सरकारी भारत में सड़क दुर्घटनाएँ-2023 के अनुसार, वर्ष 2023 में 35,221 पैदल यात्रियों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई, जो कुल सड़क दुर्घटना मौतों का 20.4% थी।सच तो यह है कि आज पर्याप्त पैदल यात्री बुनियादी ढाँचे की आवश्यकता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि फुटपाथों का निर्माण और रखरखाव मुख्यतः राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के दायरे में आता है, इसलिए सरकारों और संबंधित निकायों को इन पर ध्यान देना चाहिए।यहां पाठकों को बताता चलूं कि वैसे विश्व में सड़क की गुणवत्ता, फुटपाथ, पैदल पार-पथ, ट्रैफिक नियंत्रण और पैदल यात्रियों की सुरक्षा के मामलों में नीदरलैंड को दुनिया के सबसे अच्छे उदाहरणों में गिना जाता है। सच तो यह है कि नींदरलैंड पैदल चलने के लिए दुनिया में एक अग्रणी देश है, जहां पैदल और साइकिल यात्रियों के लिए अलग एवं सुरक्षित मार्ग, कम गति वाले क्षेत्र और बेहतर सड़क डिजाइन उपलब्ध हैं। नींदरलैंड के बाद डेनमार्क विशेषकर कोपेनहेगन में पैदल यात्रियों के लिए सुव्यवस्थित फुटपाथ, क्रॉसिंग और ट्रैफिक-शांत क्षेत्र हैं।

अगस्त में भारत के निजी क्षेत्र के उत्पादन की वृद्धि दर बढ़कर 54.6 हो गई: पीएमआई डेटा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 अगस्त ।**

भारत के निजी क्षेत्र में कारोबारी गतिविधियों ने अगस्त में बेहतर प्रदर्शन किया है। शुक्रवार को जारी एचएसबीसी फ्लैश इंडिया पीएमआई आंकड़ों के अनुसार, सेवा क्षेत्र में सुधार और विनिर्माण क्षेत्र की निरंतर वृद्धि के चलते निजी क्षेत्र की समग्र गतिविधियों में तेजी दर्ज की गई, जिससे संकेत मिलता है कि घरेलू मांग और व्यावसायिक गतिविधियां अभी भी मजबूत बनी हुई हैं।

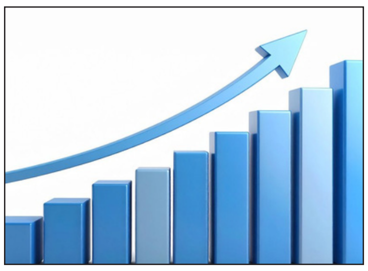

आंकड़ों के अनुसार, एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स जुलाई के 54.3 से बढ़कर अगस्त में 54.6 पर पहुंच गया, जो यह दर्शाता है कि निजी क्षेत्र का विस्तार लगातार जारी है और आर्थिक गतिविधियां वृद्धि के क्षेत्र में बनी हुई हैं। इस सुधार में सबसे बड़ा योगदान सेवा क्षेत्र का रहा। जुलाई में पिछले 53 महीनों की सबसे कमजोर वृद्धि दर्ज करने के बाद अगस्त में सेवा क्षेत्र में कारोबारी गतिविधियों और नए ऑर्डरों में फिर से तेजी देखने को मिली। इससे समग्र आर्थिक गतिविधियों को सहारा मिला। वहीं विनिर्माण क्षेत्र में भी विस्तार जारी रहा, हालांकि इसकी गति कुछ धीमी पड़ी। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई अगस्त में 52.9 दर्ज किया गया। हालांकि यह अभी भी वृद्धि का संकेत देता है, लेकिन पिछले वर्षों की तुलना में विनिर्माण क्षेत्र की रफ्तार कुछ नरम रही। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय कंपनियों को अगस्त में नए ऑर्डरों में पहले की तुलना में थोड़ा अधिक बढ़ोतरी मिली। निर्यात ऑर्डरों में भी मजबूत वृद्धि बनी रही। कंपनियों ने अमेरिका, जर्मनी, चीन, सिंगापुर और जापान जैसे प्रमुख बाजारों से मांग मजबूत रहने की जानकारी दी। हालांकि निर्यात में वृद्धि जारी रही, लेकिन विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों में इसकी रफ्तार जुलाई की तुलना में कुछ धीमी रही। इसके बावजूद विदेशी मांग भारतीय कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण सहारा बनी हुई है। रोजगार के मोर्चे पर अगस्त के आंकड़े काफी सकारात्मक रहे।

निजी क्षेत्र में नौकरी सृजन की गति जून 2025 के बाद के संयुक्त रूप से सबसे तेज स्तर पर पहुंच गई। इसमें सबसे बड़ा योगदान सेवा क्षेत्र का रहा, जहां कंपनियों ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अधिक कर्मचारियों की नियुक्ति की।

सेबी की बड़ी कार्रवाई, दो कंपनियों पर लगा प्रतिबंध

मुंबई, यूटर्न/ 21 अगस्त । बाजार नियामक सेबी ने सेंसेक्स डेरिवेटिव्स अनुबंधों की साप्ताहिक अंतिम तिथि पर हुई कीमतों की असामान्य हेराफेरी के मामले में कड़ी कार्रवाई की है। एक विस्तृत जांच के बाद, सेबी ने जेपी मॉर्गन की मॉरीशस स्थित विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) कॉपटॉल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट और मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग को बाजार में कीमतों की कृत्रिम छेड़छाड़ का दोषी पाया है। नियामक ने इन कंपनियों को शेयर बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया है और उनसे गलत तरीके से कमाए गए मुनाफे को जब्त करने का आदेश दिया है। यह मामला 13 अगस्त को क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के दौरान सेंसेक्स में कुछ ही सेकंड में हुई कीमतों की अचानक उछाल से जुड़ा है। सेबी की अंतरिम जांच रिपोर्ट के अनुसार, इस उछाल के पीछे कॉपटॉल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट का हाथ था। कंपनी ने लगभग 98 रुपए करोड़ मूल्य के खरीद ऑर्डर दिए, जिनकी कीमत संदर्भ मूल्य से अधिकतम 3 फीसदी अधिक थी और कीमतों में बदलाव के साथ ही एक-तिहाई ऑर्डर रद्द कर दिए। सेबी का आरोप है कि कॉपटॉल ने सेंसेक्स के सांकेतिक समान मूल्य (आईईपी) को बढ़ाकर बंद भाव में हेरफेर करने की कोशिश की, ताकि अपनी सिंथेटिक लॉन्ग एसेट पोजीशन से मुनाफा कमाया जा सके। उसी दिन, मानसी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकिंग ने सेंसेक्स की आठ कंपनियों के शेयरों में संदर्भ मूल्य से लगभग 2.5 फीसदी कम पर बड़ी संख्या में बिक्री ऑर्डर दिए, जिन्हें बाद में रद्द कर दिया गया।

एफपीआई ने भारतीय शेयरों में 6,535 करोड़ का किया निवेश

नई दिल्ली, 2 यूटर्न/ 21 अगस्त । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त के पहले पखवाड़े में भारतीय इक्विटी बाजार में अपनी खरीदारी तेज कर दी है। इस अवधि में वित्तीय सेवा और ऑटोमोबाइल क्षेत्र को सर्वाधिक लाभ हुआ, जबकि आईटी शेयरों ने पिछली बिकवाली के बाद एक मजबूत वापसी दर्ज की। अगस्त के पहले पखवाड़े (1-15 अगस्त) में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में अपनी खरीदारी तेज करते हुए वित्तीय सेवा क्षेत्र में कुल 6,535 करोड़ रुपए का निवेश किया, जो जुलाई के दूसरे पखवाड़े की निकासी के विपरीत है। ऑटोमोबाइल और वाहन कलपुर्जा क्षेत्र को 4,405 करोड़ रुपए का निवेश मिला, जबकि उपभोक्ता सेवा और स्वास्थ्य सेवा में भी जबरदस्त खरीदारी देखी गई। जुलाई में पसंदीदा रहे आईटी शेयरों में 2,530 करोड़ रुपए का और निवेश आया। यह रुझान 2026 की पहली छमाही के बिल्कुल विपरीत है, जब एआई से जुड़ी चिंताओं के कारण एफपीआई आईटी शेयरों के शुद्ध बिकवाल थे और निफ्टी आईटी इंडेक्स लगभग 30% गिर गया था। हालांकि, वैश्विक एआई शेयरों के अत्यधिक मूल्यांकन की चिंताओं ने निवेशकों को भारतीय आईटी सेवा कंपनियों की ओर फिर से आकर्षित किया। एफपीआई की इस खरीदारी के चलते जुलाई में निफ्टी आईटी इंडेक्स में 16.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

मोदी ने 20 अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के प्रमुखों से की मुलाकात

भारत को वैश्विक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र बनाने का किया आह्वान

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 अगस्त ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी स्थित सेवा तीर्थ में भारत के 20 प्रमुख अंतरिक्ष स्टार्टअप्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और संस्थापकों (फाउंडर्स) के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने देश के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की तेजी से बढ़ती क्षमता की सराहना करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए अधिक सहयोग और नवाचार पर जोर दिया।

इस बैठक में उन स्टार्टअप्स के प्रतिनिधि शामिल हुए जो रॉकेट निर्माण, पुनः उपयोग योग्य अर्ध-क्रायोजेनिक प्रक्षेपण यान, उपग्रह तकनीक, वैमानिकी इलेक्ट्रॉनिक्स, उन्नत प्रणोदन प्रणाली, अंतरिक्ष एवं रक्षा खुफिया समाधान, अंतरिक्ष मलबा हटाने की तकनीक तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित मौसम और जलवायु पूर्वानुमान जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

स्टार्टअप संस्थापकों ने प्रधानमंत्री को भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में हुई तेज प्रगति के बारे में जानकारी दी और भविष्य के लिए अपनी योजनाएं साझा कीं। उन्होंने बताया कि उनकी कंपनियों ने स्वदेशी तकनीक और क्षमताओं के विकास में वर्षों की मेहनत और निवेश किया है।

साथ ही उन्होंने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलने और विभिन्न नीतिगत सुधारों के लिए केंद्र सरकार तथा प्रधानमंत्री का आभार भी व्यक्त किया।

उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार के सहयोग और कंपनियों के बीच बढ़ती भागीदारी के कारण एक मजबूत अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी टीमें बड़े लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही हैं।

स्टार्टअप प्रमुखों ने याद किया कि जब सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी सहभागिता के लिए खोला था, तब इससे उद्योग जगत में नया उत्साह पैदा हुआ और भारतीय कंपनियों के लिए अनेक अवसर खुले।

उन्होंने यह भी बताया कि अब कई उद्योग और संस्थान निजी अंतरिक्ष कंपनियों द्वारा विकसित तकनीकों को अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने स्टार्टअप संस्थापकों के साहस, नवाचार और पहल की सराहना करते हुए कहा कि निजी कंपनियों द्वारा प्रदर्शित आत्मविश्वास ने अंतरिक्ष क्षेत्र को उदारीकृत करने के निर्णय को और मजबूत किया है।

संक्षिप्त खबरें

महाराष्ट्र में खुले खाद्य तेल की बिक्री पर प्रतिबंध

मुंबई, यूटर्न/ 21 अगस्त । महाराष्ट्र सरकार ने खुले खाद्य तेल की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) आयुक्त तुकाराम मुंढे ने स्पष्ट किया है कि अब दुकानदार बड़े डिब्बे या कंटेनर से ग्राहक की जरूरत के अनुसार तेल निकालकर नहीं बेच सकेंगे। इस नए नियम के तहत, ग्राहकों को अब सिर्फ अनुमत पैकिंग में उपलब्ध खाद्य तेल ही खरीदना होगा, जिससे कम मात्रा में खुला तेल खरीदने की पुरानी सुविधा समाप्त हो जाएगी। इस फैसले का सबसे सीधा असर दुकानदारों पर पड़ेगा। जिन दुकानों पर बड़े कंटेनरों से तेल बेचा जाता था, उन्हें अब अपनी बिक्री व्यवस्था में बदलाव करना होगा। एफडीए के निदेशों के अनुरूप उन्हें केवल अनुमत पैकिंग में उपलब्ध खाद्य तेल ही रखना और बेचना होगा। छोटे दुकानदारों के लिए यह बदलाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगा।

एआई से बदल रही विज्ञापन की दुनिया

दिल्ली, यूटर्न/ 21 अगस्त। एमेजॉन की एक नई रिपोर्ट के अनुसार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विज्ञापन जगत में क्रांति ला रहा है, विशेष रूप से छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों (एसएमबी) के लिए। एआई उन्हें लागत के बोझ, जटिलता और सीमित संसाधनों जैसी पारंपरिक बाधाओं से निजात दिलाकर विज्ञापनों को अधिक प्रभावी और सुलभ बना रहा है। रिपोर्ट बताती है कि लगभग 10 में से 9 एसएमबी कहते हैं कि एआई-संचालित विज्ञापन उपकरणों ने उन्हें उन विज्ञापन चैनलों, दर्शकों या प्रारूपों तक पहुंचने में सक्षम बनाया है जो पहले उनकी पहुंच से बाहर थे, जिनमें स्ट्रीमिंग टीवी जैसे उच्च-प्रभाव वाले वीडियो प्रारूप भी शामिल हैं। इसके अलावा, 75 फीसदी एसएमबी का कहना है कि एआई-सक्षम विज्ञापनों ने उनके व्यवसाय की वृद्धि का समर्थन किया है।

टाटा मोटर्स 1 सितंबर से कारों और एसयूवी की कीमतों में 25,000 रुपए तक की करेगी बढ़ोतरी

» **नई दिल्ली, 2 यूटर्न/ 21 अगस्त ।**

देश की प्रमुख वाहन निमार्ता कंपनी टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने अपनी यात्री वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि वह 1 सितंबर 2026 से अपने पूरे यात्री वाहन पोर्टफोलियो, जिसमें पेट्रोल-डीजल मॉडल और इलेक्ट्रिक वाहन दोनों शामिल हैं, की कीमतों में 25,000 रुपए तक की वृद्धि करेगी।

कंपनी के अनुसार, कीमतों में बढ़ोतरी का स्तर सभी मॉडलों और वेरिएंट्स के लिए अलग-अलग होगा। टाटा मोटर्स ने कहा कि यह निर्णय बढ़ती इनपुट लागत और लगातार बने हुए मुद्रास्फीति के दबावों के प्रभाव को आंशिक रूप से संतुलित करने के लिए लिया गया है।

टाटा मोटर्स ने यह भी स्पष्ट किया कि वह लागत में आई बढ़ोतरी का एक बड़ा हिस्सा पहले से खुद वहन कर रही है, लेकिन लगातार बढ़ते खर्चों के कारण अब कीमतों में संशोधन करना आवश्यक हो गया है।

यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब अन्य प्रमुख वाहन निमार्ता कंपनियां भी अपने वाहनों की कीमतें बढ़ा चुकी हैं। हाल ही में हुंडई मोटर इंडिया ने बढ़ती कच्चे माल की लागत, ऊंचे परिचालन खर्च और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए अपने वाहन पोर्टफोलियो की कीमतों में 1 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की थी। वहीं, मारुति सुजुकी ने भी अगस्त से अपने एरिना और नेक्सा मॉडल्स की कीमतों में वृद्धि की थी।

कंपनी ने विभिन्न मॉडलों और वेरिएंट्स के अनुसार 2,500 रुपए से 30,000 रुपए तक कीमतें बढ़ाई थीं। कीमतों में लगातार हो रहे ये बदलाव ऑटोमोबाइल उद्योग पर पड़ रहे निरंतर लागत दबाव के बीच आए हैं, जिसमें कंपनियां कच्चे माल, पुर्जों, लॉजिस्टिक्स और परिचालन खर्चों में बढ़ोतरी के कारण लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालने के लिए मजबूर हो रही हैं।

पीयूष गोयल की चेक प्वाइंट सीईओ से साइबर सुरक्षा पर चर्चा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 अगस्त ।**

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सिंगापुर दौरे के दौरान वैश्विक साइबर सुरक्षा कंपनी चेक प्वाइंट सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नादव जफरीर से मुलाकात कर भारत में कंपनी की बढ़ती भागीदारी, साइबर सुरक्षा सहयोग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई)-आधारित सुरक्षा समाधानों पर चर्चा की। भारत में इजरायल के राजदूत रियुवेन अजार ने एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए बताया कि बैठक में भारत में चेक प्वाइंट की अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के विस्तार और देश की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की सुरक्षा के लिए एआई-आधारित सुरक्षा प्रणालियों के उपयोग पर विचार-विमर्श किया गया।

अजार के अनुसार, दोनों पक्षों ने साइबर सुरक्षा, डिजिटल विश्वास और एआई-संचालित नवाचार के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर भी चर्चा की, जिसका उद्देश्य भारत की तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था और टेक्नोलॉजी-आधारित विकास को सुरक्षित और मजबूत आधार प्रदान करना है। यह

बैठक ऐसे समय हुई है जब भारत डिजिटल भुगतान, डिजिटल पहचान, ऑनलाइन सरकारी सेवाओं और डेटा आधारित सार्वजनिक सेवाओं के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल हो चुका है। ऐसे में बढ़ते साइबर खतरों से इन प्रणालियों की सुरक्षा एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता बन गई है। सिंगापुर यात्रा के दौरान पीयूष गोयल लगातार भारत और एशियाई देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर दे रहे हैं।

भारत-सिंगापुर बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत की मजबूत आर्थिक प्रगति, निवेश के अवसरों और कारोबार सुगमता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे सुधारों को रेखांकित किया।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

दिल्ली के करोल बाग में चोरों ने कार का शीशा तोड़कर चुराए 2 करोड़ के गहने

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 अगस्त ।

दिल्ली के करोल बाग इलाके में चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने कार का शीशा तोड़कर दिनदहाड़े ज्वेलरी का कारोबारी के 2 करोड़ रुपये से ज्यादा के गहने चुराकर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित व्यवसायी की शिकायत पर केस दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

दरअसल, एसकेजी कुंदन क्राफ्ट्स के मालिक पीड़ित कन्हैया लाल 18 अगस्त को अपने बेटे ध्रुव सोनी और स्टाफ के एक कर्मचारी के साथ कार से दिल्ली आए थे। वह

ज्वेलरी कारोबार की मार्केटिंग के सिलसिले में दिल्ली आए थे। इनके पास तीन बैकपैक और एक सूटकेस था। तीनों बैग में सोने और हीरे की ज्वेलरी, एक लैपटॉप और आधार कार्ड रखा हुआ था, जबकि सूटकेस में कपड़े थे।

19 अगस्त को कारोबारी ने ग्रेटर कैलाश-एम ब्लॉक मार्केट में कई ज्वेलर्स से मुलाकात की। इसके बाद करीब शाम 4 बजे कारोबारी करोल बाग पहुंचे।

करोल बाग में कारोबारी करीब शाम 5:30 बजे आर्य समाज रोड पर केनरा बैंक के सामने कार खड़ी कर दी। कन्हैया लाल, उनके बेटे और कर्मचारी ने कार में बैग और सूटकेस छोड़ दिए और पास स्थित बीकानेरवाला रेस्टोरेंट में खाना खाने चले गए।

करीब शाम 7:15 बजे वापस लौटने पर कार का पीछे वाला शीशा टूटा मिला। कार के अंदर रखे तीनों बैग और सूटकेस गायब थे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के जरिए आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी की कोशिश कर रही है। वहीं, नोएडा के सेक्टर-25 स्थित गैराज से करीब डेढ़ करोड़ रुपये की चोरी के मामले में पुलिस ने हाल ही में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

छह आरोपियों को रजनीगंधा चौराहे से फिल्मसिटी की ओर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पवन उर्फ शिवम उर्फ कांचा, अवनीश कुमार, जितेंद्र कुमार, सुमित कुमार, अनिल कुमार और नीशू चौहान के रूप में हुई है।

संक्षिप्त खबरें

मामूली विवाद पर मारपीट और फायरिंग, दोनों पक्षों पर केस

लोनी, यूटर्न/ 21 अगस्त। कोतवाली क्षेत्र के सिखरानी गांव में मामूली विवाद के बाद दो पक्षों में मारपीट और हवाई फायरिंग हुई। घटना की जानकारी लोनी थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने अपनी ओर से दोनों पक्षों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके गिरफ्तारी के लिए जुटी है। एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि लोनी थाने के उप निरीक्षक अंकित राठौर बंथला में टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। इस दौरान उन्हें जानकारी मिली कि सिखरानी गांव में तो पक्षों में मामूली बात को लेकर विवाद हो गया। सूचना मिलते ही अंकित भी टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो दो पक्ष आपस में मारपीट कर रहे हैं। पहला पक्ष अंकित मावी और राहुल दूसरे पक्ष अज्जू, ललित मावी, अंकित मावी, सौरभ मावी एक दूसरे से मारपीट कर रहे थे। इस दौरान अज्जू ने हवाई फायरिंग करके भाग गया। एसीपी ने बताया कि एक शिकायत के आधार पर दोनों पक्षों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। झगड़ा किस बात पर हुआ, इसकी जांच की जा रही है।

शराब पीने के दौरान दोस्त के सिर पर डंडा मारकर हत्या

लोनी, यूटर्न/ 21 अगस्त। ट्रोनिका सिटी थानाक्षेत्र के गढ़ी कटैया अंडरपास के नजदीक शराब पीने के दौरान हुए विवाद में दोस्त ने दोस्त के सिर में डंडा मार कर दिलीप कुमार की हत्या कर दी। दोनों अंडरपास के करीब कचौड़ी-ब्रेड की दुकान पर काम करते थे। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई तो आरोपी को हिरासत में लेकर अधिकारियों ने पूछताछ शुरू कर दी है। अभी आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है। पुलिस शिकायत का इंतजार कर रही है। मूलरूप से बिहार के मुजफ्फरपुर निवासी दिलीप कुमार (44) लोनी के गढ़ी कटैया अंडरपास स्थित रोहित चौधरी की कचौड़ी-ब्रेड दुकान पर काम करते थे। दुकान पर दिलीप और उसका दोस्त जनपद शाहजहांपुर के कस्बा तिलहर निवासी युवक भी काम करता था। दिलीप 15 दिन पहले ही काम पर आए थे। दोनों रात में दुकान पर ही सोते थे। एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि दुकान मालिक रोहित चौधरी ने पूछताछ में बताया कि बुधवार रात वह अपने घर चले गए और दोनों को वहीं छोड़ गए थे। दिलीप की कुछ दिन में ही आरोपी कर्मचारी से दोस्ती हो गई थी। उन्होंने पुलिस को बताया कि देर रात में दुकान से कुछ दूरी पर दिलीप और उसका दोस्त शराब पीने लगे। उसी दौरान दोनों में विवाद हुआ और मारपीट के दौरान आरोपी दोस्त के दिलीप के सिर पर डंडे से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग गया।

14.38 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व बैंक प्रबंधक को अग्रिम जमानत

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 21 अगस्त।

14.38 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की मिड कॉरपोरेट शाखा गाजियाबाद की पूर्व मुख्य प्रबंधक और शाखा प्रमुख शेफाली शर्मा को विशेष सीबीआई/ईडी अदालत से राहत मिल गई है। अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत अर्जी स्वीकार करते हुए एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया है।

सीबीआई की मूल जांच में श्रीआरआर पाइप्स को बैंक से मिली ऋण सुविधाओं और रकम को दूसरी संस्थाओं में भेजने में फर्जी और कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर ऋण लेने, फर्जी बैलेंस शीट और वित्तीय विवरण प्रस्तुत करने और ऋण की रकम अन्य संस्थाओं में भेजने के आरोप लगाए गए थे। सीबीआई के अनुसार मूल 10 करोड़ रुपये की कैश क्रेडिट सुविधा की प्रक्रिया और संस्तुति 29 दिसंबर 2015 को हुई थी।

मार्च 2016 में 2.5 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सुविधा दी गई, नवंबर 2016 में सीमा बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दी गई। अदालत के अनुसार शेफाली शर्मा ने 22 मई 2017 को शाखा का कार्यभार संभाला था। बचाव पक्ष ने कहा कि ऋण और उसकी सीमा बढ़ाने की प्रक्रिया इससे पहले पूरी हो चुकी थी और उनके पास उच्च राशि वाले कॉरपोरेट

ऋण को स्वतंत्र रूप से मंजूर करने की शक्ति नहीं थी।

बचाव पक्ष के अनुसार उन्होंने बाद में जांच के दौरान अनियमितताएं पकड़ीं और 27 नवंबर 2017 से उच्च अधिकारियों को लिखित रिपोर्ट के जरिए जानकारी दी। वहीं ईडी का आरोप है कि 22 मई 2017 के बाद शेफाली शर्मा ने सह आरोपी अंकित तोमर के साथ श्री आरआर पाइप्स के पक्ष में पांच करोड़ रुपये की अतिरिक्त कैश क्रेडिट सुविधा की प्रक्रिया और संस्तुति की।

जांच एजेंसी के मुताबिक इसी दौरान जरूरी जांच नहीं की गई और असत्यापित बैलेंस शीट स्वीकार की गई। ईडी ने आरोप लगाया कि कथित लापरवाही और अन्य कार्रवाइयों के कारण 3.70 करोड़ रुपये से संबंधित संस्थाओं को भेजे गए और अपराध से प्राप्त रकम कुल 14.38 करोड़ रुपये आंकी गई। अदालत ने माना कि शेफाली शर्मा को जांच के दौरान गिरफ्तार नहीं किया गया।

दिल्ली मास्टर प्लान 2047: झुग्गियों में फ्लैट, ट्रैफिक-प्रदूषण से राहत का खाका

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 21 अगस्त ।

भारत की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली को 2047 तक 'विकसित भारत की विकसित राजधानी' बनाने के लिए दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी यानी डीडीए ने 'दिल्ली मास्टर प्लान 2047' का खाका तैयार किया है। डीडीए के वाइस चेयरमैन एन. सरवण कुमार के अनुसार, इस योजना से दिल्लीवासियों की जिंदगी आसान होगी और उन्हें रहने, आने-जाने और घूमने-फिरने के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

'दिल्ली मास्टर प्लान 2047' पर दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) के वाइस चेयरमैन एन. सरवण कुमार ने कहा, 'दिल्ली के लोगों की जिंदगी आसान हो जाएगी और उन्हें रहने के लिए बेहतर और ज्यादा सुविधाएं मिलेंगी। उनका ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क, चाहे मेट्रो हो या बस सुविधाएं, बेहतर मिलेगा। पार्क और अन्य सामान्य सुविधाएं ज्यादा होंगी। जो लोग झुग्गी झोपड़ी में रहते हैं, उनकी जीवनशैली बेहतर होगी। सरकार का ये निर्णय है कि पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत इन लोगों को फ्लैट बनाकर दी जाएगी। अनाथों के लिए भी रिडेवलपमेंट करने का प्रावधान किया गया है।' पुराने घरों के पुनर्विकास को भी इस बार बढ़ावा दिया गया है। सरवण कुमार ने बताया, 'अगर कोई घर 40-50 साल पुराना हो गया है और लोग नया घर बनाना चाहते हैं तो उसे प्रमोट किया जाएगा। आज किसी बिल्डिंग में 200 फ्लैट हैं, उसे गिराकर नया बनाएंगे तो 300 फ्लैट बन जाएंगे। ऐसे प्रावधान किए गए हैं ताकि आम जनता के लिए दिल्ली में रहने की व्यवस्था और अच्छी हो सके।'

मंत्री आशीष सूद ने कहा कि मास्टर प्लान 2047 से शहर की दो बड़ी समस्याओं - प्रदूषण और ट्रैफिक - को कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही हाउसिंग

डेवलपमेंट पर भी जोर रहेगा। उन्होंने कहा, 'यह विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाने का प्लान है। यहां प्रदूषण को हल करने और ट्रैफिक को कम करने की व्यवस्था है। नई हाउसिंग को डेवलप करने के लिए टीओडी यानी ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट और लैंडपूलिंग के माध्यम से आबादी को व्यवस्थित करने के रास्ते उपलब्ध हैं।' टीओडी का मतलब है मेट्रो और बस कॉरिडोर के आसपास घनी आबादी और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देना, ताकि लोगों को रोजमर्रा के कामों के लिए लंबा सफर न करना पड़े। वहीं, लैंडपूलिंग में जमीन मालिक अपनी जमीन सरकार को देते हैं और बदले में विकसित जमीन का एक हिस्सा वापस पाते हैं। इससे बिना विस्थापन के नई हाउसिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर बन सकेगा। डीडीए अधिकारियों का कहना है कि मास्टर प्लान 2047 का मकसद सिर्फ इमारतें बनाना नहीं, बल्कि दिल्ली को रहने लायक, हरित और कनेक्टेड शहर बनाना है। इसमें पार्क, खुले क्षेत्र, सार्वजनिक सुविधाओं और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। कुल मिलाकर 'दिल्ली मास्टर प्लान 2047' को सरकार एक दीर्घकालिक विजन के रूप में देख रही है, जिसके तहत अगले 20 सालों में राजधानी की शक्ल पूरी तरह बदली हुई नजर आएगी।

लोनी में पुलिस मुठभेड़ के बाद नकबजनी का आरोपी गिरफ्तार, 50 लाख के जेवर बरामद

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 21 अगस्त ।

उत्तर प्रदेश के लोनी थाना पुलिस ने वांछित एक आरोपी को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा, कारतूस और करीब 50 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि थाना लोनी क्षेत्र के निठोरा अंडरपास के पास संदिग्ध व्यक्ति और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि नकबजनी की घटना में वांछित आरोपी मोटरसाइकिल से निठोरा की ओर आ रहा है। पुलिस टीम ने बाइक सवार को रुकने का इशारा किया, लेकिन उसने पुलिस को चकमा देकर भागने का प्रयास किया।

पुलिस ने पीछा किया तो भागते समय आरोपी की मोटरसाइकिल फिसल गई। पुलिस के मुताबिक इसके बाद आरोपी ने तमंचे से पुलिस टीम पर

फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी और उसे घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सचिन निवासी डबल टंकी के पास रूपनगर, लोनी, गाजियाबाद, उम्र करीब 28 वर्ष बताया। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने 20 अगस्त 2026 की रात गिरि मार्केट, लोनी में एक घर में घुसकर चोरी करने की बात कबूल की है।

पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी किए गए सोने और चांदी के आभूषण बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई गई है। इसके अलावा एक अवैध तमंचा, कारतूस भी बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ कमिश्नरेट गाजियाबाद के विभिन्न थानों में नकबजनी, चोरी, चोरी के माल की बरामदगी, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और आबकारी अधिनियम समेत करीब एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के गैंग को गिरफ्तार करने के लिए टीम का गठन किया जा रहा है, जो सचिन के बयान के आधार पर कार्रवाई करेगी और जल्द ही कई मामलों के खुलासे हो सकते है।

एसी नगर में 14 वर्षीय बच्चे की संदिग्ध मौत, हत्या का आरोप

फरीदाबाद, यूटर्न/ 21 अगस्त। फरीदाबाद के एसी नगर में 14 वर्षीय बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव शुक्रवार को घर के अंदर फंदे से लटका मिला। घटना के समय बच्चे के माता-पिता काम के सिलसिले में घर से बाहर थे। परिजनों ने एसी नगर निवासी एक युवक पर बच्चे की हत्या करने का आरोप लगाया है। हालांकि, पुलिस ने अभी हत्या के आरोप की पुष्टि नहीं की है। पुलिस के अनुसार, एसी नगर निवासी सोनू अपनी पत्नी ममता और दो बेटों के साथ रहता है। सोनू वाहन चालक है, जबकि उसकी पत्नी घरेलू सहायक के तौर पर काम करती है। घटना के समय दोनों काम पर गए हुए थे और घर पर उनके दोनों बेटे मौजूद थे। शाम को वापस लौटने पर उन्हें छोटे बेटे तरुण की मौत की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

थाना कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की जांच की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिया। परिजनों ने एक युवक पर बच्चे की हत्या करने का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। प्रभारी मनजीत ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल मौत के कारणों की पुष्टि नहीं हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

एक्ट्रेस ने बयां की जिंदगी की सबसे मुश्किल दास्तान

कंगना शर्मा का छलका दर्द

एक्ट्रेस-सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर कंगना शर्मा ने अपनी दर्दनाक कहानी शेयर की है. कंगना ने बताया कि वो बचपन में पिता का अत्याचार देखकर बड़ी हुई हैं. उनके पिता उनकी मां, उनकी बहन और उन्हें मारते थे. कंगना आज तक अपनी बड़ी बहन को खोने का दर्द नहीं भूल पाई हैं. सिद्धार्थ कनन संग बातचीत में उन्होंने कहा कि मेरी बहन की जिस घर में शादी हुई. वहां वैश्यावृति का काम होता था. हमें ये बात पता नहीं थी. वो कहती हैं कि हमारे यहां होता है कि पहली रात दूल्हा-दुल्हन को सोने नहीं देते. मैं बहन के साथ उसके ससुराल गई थी. मैं रात में उठी, तो देखा वॉशरूम में मेरी बहन के मुंह में कपड़ा डालकर उसका पति सेक्स कर रहा था. 'मैं कुछ नहीं कर सकी. उसके ससुर आए, तो उन्होंने मुझसे कहा कि मैं तुम्हे घर दिखाता हूं. मेरी बहन मना कर रही थी, लेकिन मैं चली गई. इसके बाद मेरी बहन वहां से ले आई और कहा कि घर चल मैं तुझे सब बताऊंगी.' 'मेरी बहन जब अगले दिन पगफेरे के लिए आई, तो उसने पापा से कहा कि मैं वहां दोबारा नहीं जाऊंगी. पापा ने उसे थप्पड़ मारा. उसकी नाक से खून आने लगा. एक हफ्ते तक उसका कुछ अता पता नहीं था.' 'इसके बाद मेरे पिता उसे लेने गए. उसका तलाक करा दिया गया. फिर से पापा ने एक रुपये में हलवाई से उसकी शादी करवा दी. उसने बोला कि अभी मैं शादी के लिए रेडी नहीं हूं, तो पापा ने बोला कि कोठा खोल लो तुम लोग. वो गंदी-गंदी बातें बोलने लगे.' 'दूसरी शादी हुई, तो वो हलवाई पहली रात ही शुरू हो गया. वो बोली कि मैं अभी रेडी नहीं हूं, लेकिन वो बोला कि पहले वाले के साथ करके आई. यहां भी कर. वो उसके साथ जबरदस्ती इंटीमेट हुआ.' कंगना कहती हैं कि दो साल में उसकी हालत इतनी खराब हो गई कि उसे कैंसर हो गया. टीबी हो गया, उसे कुछ दिखता नहीं था. मैं पछताती हूं कि मैं अपनी बहन को नहीं बचा पाई. मुझे जब लगा कि मेरे घर का नाश हो गया है, तो मैं वहां से निकल गई. मैंने दिल्ली में जॉब शुरू की, लेकिन इतने पैसे कमाती थी कि उसका इलाज करा सकूं. कंगना अपनी बहन की मौत का दर्दनाक किस्सा सुनाते हुए रो पड़ीं. उनके आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे. आज उनके पास घर, पैसा है, लेकिन बहन की कमी खलती है.

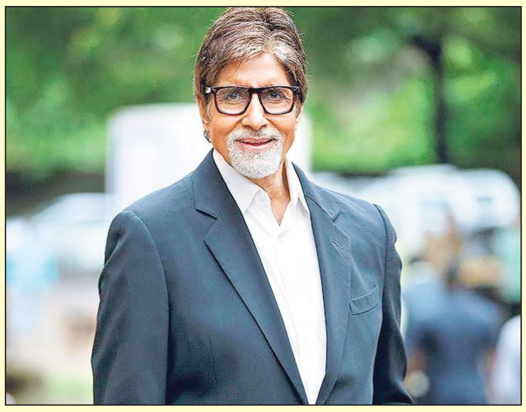

लोग बोलते थे, तुमको तो एक्टिंग, वैक्टिंग कुछ आता नहीं: अमिताभ

बॉलीवुड के सुपर स्टार अमिताभ बच्चन आज जिस मुकाम पर हैं, उनका यहां तक पहुंचने का सफर बिलकुल भी आसान नहीं रहा है। सफलता मिलने से पहले बिग बी ने जिंदगी में अनेक-उतार चढाव देखे। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का शुरूआती करियर चुनौतियों से भरा था, जहां उन्हें भी रिजेक्शन और कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया का सपना हर कोई देखता है, लेकिन जो लंबे संघर्ष और रिजेक्शन जैसी मुश्किलों को पार कर जाता है, वही सुपरस्टार कहलाता है। हाल ही में क्विज रियलिटी शो कौन बनेगा करोड़पति सीजन-18 के एक खास एपिसोड में, अमिताभ बच्चन ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की गोल्ड मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन, जसवंत कुमार, शर्मिला धनकर और अस्मिता डे के साथ बातचीत के दौरान अपने संघर्ष के दिनों की यादें साझा कीं। शो के दौरान, अस्मिता ने मेगास्टार से पूछा कि क्या एथलीट्स की तरह एक्टर्स को भी फिल्म सेट पर डायरेक्टर्स से डांट खानी पड़ती है। इस सवाल के जवाब में अमिताभ बच्चन ने बताया कि जब वो इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे, तब उन्हें कितनी आलोचनाएं सुननी पड़ी थीं। उन्होंने भावुक होकर कहा, हमको बड़ी डांटे पड़ती थीं, शुरू-शुरू में तो लोग बोलते थे कि तुमको तो एक्टिंग-वैक्टिंग कुछ आता ही नहीं, बहुत लंबे हो अपने घर जाओ।

भारत को अपना दूसरा घर मानते हैं वाटसन

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने कहा है कि भारत उनके लिए दूसरे घर की तरह है क्योंकि यहां उनके देश से भी ज्यादा प्यार मिला है। वॉटसन ने कहा कि उन्होंने लंबे समय तक ऑस्ट्रेलिया के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है पर इसके बाद भी भारत में उन्हें अधिक अपनापन और समर्थन मिला। उन्होंने भारतीय प्रशंसकों की सराहना करते हुए कहा कि भारत में उनके प्रदर्शन को लेकर उन्हें कम परखा गया और अधिक प्रोत्साहित किया गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया में खराब प्रदर्शन के दौरान उन्हें कड़ी आलोचन झेलनी पड़ती थी। वॉटसन ने कहा, यह वास्तव में मेरे लिए दूसरे घर जैसा लगता है। मैं भाग्यशाली था कि मैंने लंबे समय तक ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रिकेट खेला, हालांकि मुझे भारत में हमेशा ज्यादा अपनापन महसूस हुआ।

वाटसन के अनुसार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने से भी भारत से भारत से उनके रिश्ते गहरे हुए हैं। इस ऑलराउंडर नेसाल 2008 में शुरू हुई इस लीग को अपने करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ बताया, जहाँ उन्हें भारतीय प्रशंसकों से लगातार प्यार और समर्थन मिला। आईपीएल के जरिये उन्होंने राजस्थान रॉयल्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी प्रमुख टीमों के लिए खेला और अब वह कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ सहायक कोच के रूप में जुड़े हुए हैं। इस लीग ने उन्हें भारतीय क्रिकेट संस्कृति और उसके प्रशंसकों के बेहद करीब लाया है।

वॉटसन ने कहा कि भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों के व्यवहार में एक स्पष्ट अंतर है। उनके मुताबिक, भारत में प्रशंसक खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हैं और समर्थन देते हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया में खराब प्रदर्शन के दौरान खिलाड़ियों पर अधिक सवाल उठाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में उन्हें कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ कि खराब प्रदर्शन के कारण उनकी अनुदेखी की गयी हो।

वॉटसन ने याद किया कि वह पहली बार 19 साल की उम्र में एक क्रिकेट अकादमी के साथ के भारत आए थे। उन्होंने पिछले दो दशकों से अधिक समय में भारत को तेजी से विकसित होते देखा है। उन्होंने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्होंने इतने लंबे समय तक भारत में हुए इन महत्वपूर्ण बदलावों को करीब से देखा।

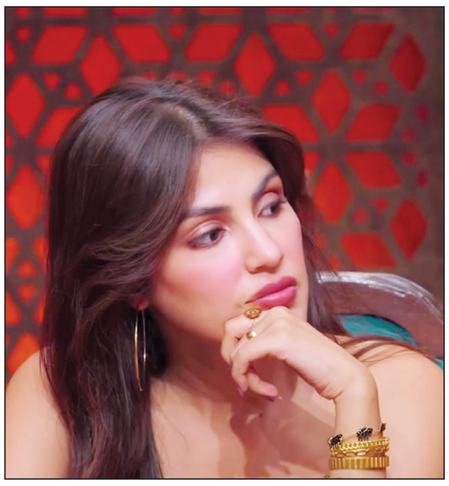

सुशांत केस ने सब बर्बाद किया : रिया

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन से जुड़े अपने मुश्किल दिनों को सालों बाद याद किया है। उन्होंने बताया कि उस दौर ने न सिर्फ उनका करियर बर्बाद किया, बल्कि उनके परिवार को भी इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी, जिसमें उनके पिता की नौकरी का जाना भी शामिल है। 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद उनकी गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती का नाम इस मामले में सामने आया था, जिसके चलते उन्हें लगभग 27 दिन जेल में बिताने पड़े थे। अब रिया ने एक हालिया बातचीत में फिल्ममेकर फराह खान से बताया कि उस पूरे विवाद का उन पर और उनके परिवार पर कितना गहरा असर पड़ा। रिया ने दावा किया कि विवादों के चलते उनके पिता, रिटायर्ड आर्मी अधिकारी इंद्रजीत चक्रवर्ती को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा। उनके पिता को एक अस्पताल में वरिष्ठ पद के लिए एक बड़ा प्रस्ताव मिला था और उनकी जॉइनिंग भी जल्द होने वाली थी। हालांकि, जैसे ही अस्पताल प्रबंधन को पता चला कि इंद्रजीत चक्रवर्ती, रिया के पिता हैं, तो स्थिति पूरी तरह बदल गई।

इस फिल्म में मेरा किरदार पिछले किरदारों से काफी ग्लैमरस है : विधात्री बंदी

अभिनेत्री विधात्री बंदी ने फीचर फिल्म 'मैक्स, मिन और मियोज्स्की' में कैरोल सेक्वेराका महत्वपूर्ण किरदार निभाया है। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ हालिया बातचीत में बताया कि ये किरदार उन्हें किस तरह से मिला है। उन्होंने बताया कि असल में वे किसी और किरदार के लिए ऑडिशन देने के लिए गई थी। उसी दौरान उन्हें 'कैरोल सेक्वेराका' के किरदार के बारे में पढ़ने का मौका मिला था, जिसके उन्होंने इसे करने के लिए मैनिफेस्ट किया था।

उन्होंने कहा, 'असल में, मैं 'मिन' का ऑडिशन देने के लिए गई थी, लेकिन जब मुझे फिल्म का सारांश दिया गया, तो मैंने उसमें कैरोल सेक्वेराका के बारे में पढ़ा था। उसका किरदार इस तरह से लिखा हुआ था कि उसे पढ़कर मुझे उससे तुरंत जुड़ाव महसूस हुआ, जिसके बाद मैंने सोचा कि अगर इस किरदार के लिए मुझे ऑडिशन देने का मौका मिले, तो मैं जरूर दूंगी। लेकिन मैंने ये बात बस अपने तक ही रखी और किसी को नहीं बताई थी। 2 दिन बाद कास्टिंग टीम से फोन आया कि डायरेक्टर्स चाहते हैं कि मैं 'कैरोल' के लिए ऑडिशन दूं। फिर मैंने ऑडिशन दिया और तुरंत मेरा सिलेक्शन हो गया। सेलेक्ट होने के बाद पैडी ने मुझे पूरी कहानी सुनाई। उस दिन शायद पहली बार ऐसा हुआ कि मैं अजनबियों के सामने रो पड़ी थी, क्योंकि फिल्म ने मेरे दिल को छू लिया था। उसी वक्त मुझे पक्का हो गया था कि मुझे ये फिल्म करनी ही है।' अभिनेत्री ने अपने पिछले किरदारों के लुक की तुलना इस किरदार से करते हुए कहा कि 'कैरोल सेक्वेराका' का किरदार उनके पिछले किरदारों से ज्यादा ग्लैमरस है। उन्होंने कहा, 'फिल्म 'जलसा' में मैंने एक मलयाली पत्रकार का रोल किया था। उसमें मेरा लहजा बहुत भारी था, कोई मेकअप नहीं किया था और बाल भी काफी ज्यादा थे।

दक्षिण कोरिया-अमेरिका का संयुक्त सैन्य अभ्यास तय समय से पहले समाप्त

» सोल, यूटर्न/ 21 अगस्त ।

दक्षिण कोरिया और अमेरिका का प्रमुख संयुक्त सैन्य अभ्यास 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' (यूएफएस) शुक्रवार को अपने निर्धारित कार्यक्रम से करीब सप्ताह भर पहले समाप्त हो रहा है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन अभ्यासों को बड़े पैमाने पर कम करने का आदेश दिया था।

ट्रंप ने सैन्य अभ्यासों में कटौती का निर्देश देते हुए कहा था कि ऐसे अभ्यास उत्तर कोरिया को 'अनुचित' संदेश भेज सकते हैं। उन्होंने अभ्यासों की लागत और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ अपने अच्छे संबंधों का भी हवाला दिया था। हालांकि इस बदले हुए रवैए का नॉर्थ कोरिया पर कोई खास असर पड़ता नहीं दिखा। दक्षिण कोरिया के अनुसार उसने गुरुवार को बैलिस्टिक मिसाइल दागीं। सोल के इस दावे कि फिलहाल प्योंगयांग ने पुष्टि नहीं की है। युद्धाभ्यास की बात करें तो योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, यूएफएस को पहले 11 दिनों तक चलना था, लेकिन अब इसे घटाकर पांच दिन कर दिया गया है। हालांकि, मैदान में होने वाले कुछ अभ्यास 28 अगस्त तक जारी रहेंगे। दक्षिण कोरियाई ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) के अनुसार, प्रस्तावित 14 बड़े फील्ड अभ्यासों में से सात जारी रहेंगे, जबकि बाकी सात को अमेरिका के साथ बातचीत के बाद फिर से निर्धारित किया जाएगा।

इस साल अभ्यास में मुख्य जोर रक्षात्मक अभियानों पर रहा। आमतौर पर दूसरे सप्ताह में होने वाले जवाबी हमले से जुड़े अभ्यास रद्द कर दिए गए हैं। दोनों देशों का यह संयुक्त प्रशिक्षण उत्तर कोरिया के संभावित सैन्य संकट से निपटने की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। ट्रंप का यह कदम उत्तर कोरिया के साथ बातचीत का रास्ता फिर खोलने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

इमरान खान का चेकअप तय अस्पताल में नहीं कराया

अदालत के आदेश की हुकूमत ने उड़ाई धज्जियां: बहन उज्मा

» इस्लामाबाद, यूटर्न/ 21 अगस्त

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान की सेहत का अपडेट उनकी बहन उज्मा खान ने शुक्रवार को दिया। उनके मुताबिक सरकार के इशारे पर अदियाला जेल में उनको मानसिक तौर पर परेशान किया जा रहा है। इस्लामाबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने सरकार की आलोचना की। आरोप लगाया कि देश की हुकूमत सुप्रीम कोर्ट के आदेश का खुल्लम खुल्ला उल्लंघन कर रही है और पूर्व प्रधानमंत्री का इलाज निजी अस्पताल में नहीं करा रही है।

वहीं, केपी के सीएम ने अदालतों से अपील की कि वो इस पर गंभीरता से विचार करें। मंगलवार को एससी ने सरकार को इमरान को शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल ले जाने का निर्देश दिया था। गुरुवार रात अस्पताल के बाहर भारी पुलिस बल तैनात होने के कारण सबकी नजरें वहीं टिकी थीं। हालांकि, सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने शुक्रवार को बताया कि इमरान को इसके बजाय सरकार द्वारा चलाए जा रहे पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) ले जाया गया।

शुक्रवार को इमरान की बहन उज्मा खान, जो उनकी मेडिकल जांच के समय मौजूद थीं, ने इस्लामाबाद में उनके निजी डॉक्टर, डॉ. फैसल सुल्तान के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने बताया कि उन्हें गुरुवार को अदियाला जेल पहुंचने के लिए फोन आया था।

उज्मा के मुताबिक, वहां पहुंचने पर उन्होंने पुलिस अधिकारी से इस दौरान कई सवाल पूछे लेकिन उन्हें किसी का भी जवाब नहीं मिला। यहीं से कार में उन्हें पिम्स ले जाया गया, वहां नहीं जहां अदालत ने ले जाने को कहा था। गुरुवार रात पिम्स जाने के अपने अनुभव को बताते हुए उज्मा ने कहा, ह्वचारों ओर अंधेरा था ह्व

उन्होंने बताया कि उन्हें एक ऑफिस ले जाया गया, जहां एक व्यक्ति ने रास्ता दिखाने के लिए अपने मोबाइल फोन की टॉर्च का इस्तेमाल किया।

उज्मा ने कहा फिर वो इमरान से मिलीं जो उन्हें देखकर हैरान होकर खड़े हो गए। पूरे समय इमरान उनसे बस एक ही बात कहते रहे कि उनके साथ ह्वक्रूरताह्व की गई है।

इमरान की सेहत के बारे में पूछे गए एक सवाल पर उन्होंने कहा कि उनका ब्लड प्रेशर नॉर्मल है और उनकी नजर में भी सुधार हुआ है। उन्होंने आगे कहा, ह्वबस थोड़ी सी ब्लीडिंग (हैमरेज) बाकी है ह्व

वहीं, केपी के मुख्यमंत्री अफरीदी ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरकार और प्रशासन के रवैये पर अफसोस जाहिर किया। उन्होंने कहा, ह्वसुप्रीम कोर्ट के तीन जजों के फैसले को कूड़ेदान में फेंक दिया गया,ह्व और ये हरकत अदालत की अवमानना है।

उन्होंने कहा, ह्वअब पाकिस्तान भर के जजों को यह तय करना होगा कि वे अपने फैसलों को लागू करवाएं या अदालतें बंद कर दें ह्व

जेलेंस्की का रूस से जुड़े लोगों पर एक्शन, नए प्रतिबंध लागू

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 21 अगस्त

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस से संबंध रखने वाले लोगों पर कार्रवाई की। राष्ट्रपति ने रूस के सैन्य-औद्योगिक ढांचे और रूस का समर्थन करने वाले लोगों के खिलाफ नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन अपने प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के साथ तालमेल में आगे बढ़ाएगा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में यह जानकारी दी। पोस्ट में लिखा, ''मैंने नए प्रतिबंधों से जुड़े कई आदेशों पर हस्ताक्षर किए हैं। ये प्रतिबंध रूस के सैन्य-औद्योगिक ढांचे और उन लोगों के खिलाफ हैं, जो किसी न किसी रूप में रूसी व्यवस्था का हिस्सा बन चुके हैं और इतने बड़े युद्ध के बावजूद उस देश के साथ अपने संबंध बनाए हुए हैं। इनमें यूक्रेन के उन अस्थायी रूप से कब्जे वाले क्षेत्रों में रूस का साथ देने वाले लोग भी शामिल हैं। साथ ही, यूक्रेन के कुछ पूर्व राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग भी इसमें शामिल हैं, जो फिलहाल यूरोप में रह रहे हैं, लेकिन उनके दस्तावेज, उनके संपर्क और उनकी सोच अब भी रूस से जुड़ी हुई है।''

पोस्ट में कहा, ''हम प्रतिबंधों से जुड़े अपने काम को आगे भी जारी रखेंगे और यूक्रेन के अधिकार क्षेत्र के तहत लगाए गए प्रतिबंधों को अपने अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के प्रतिबंधों के साथ तालमेल में लाएंगे।''

दरअसल यूक्रेन में रूस के घातक हमले लगातार जारी हैं। बुधवार देर रात भी रूस ने यूक्रेन में भारी तबाही मचाई। जेलेंस्की ने बताया कि रूस लंबे समय से इसकी तैयारी कर रहा था और उसने बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और ड्रोन जैसे अलग-अलग हथियारों का एक साथ इस्तेमाल किया, ताकि नागरिक बुनियादी ढांचे को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सके। कीव और उसके आसपास के इलाके, साथ ही ओडेसा और चेर्निहीव क्षेत्रों में काफी नुकसान हुआ है। जेलेंस्की ने एक बार फिर से मिसाइल जरूरतों की अपनी मांग दोहराते हुए अमेरिका से जल्द ही कोई फैसला लेने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि यूक्रेन अपनी जरूरत के हथियार की खरीद के लिए तैयार है।

मेलानिया ट्रंप ने फोस्टर केयर युवाओं के लिए नई छात्रवृत्तियों की घोषणा की

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 21 अगस्त ।

अमेरिका की प्रथम महिला (फर्स्ट लेडी) मेलानिया ट्रंप ने फोस्टर केयर (सरकारी देखरेख) में पले-बढ़े युवाओं के लिए नई छात्रवृत्तियों की घोषणा की है। इसके तहत इंडियाना यूनिवर्सिटी और पर्ड्यू यूनिवर्सिटी को एक राष्ट्रीय शिक्षा पहल में शामिल किया गया है। व्हाइट हाउस में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी मौजूद रहे। इस दौरान 'फॉस्टरिंग द फ्यूचर' कार्यक्रम को इस सप्ताहांत होने वाली 'फ्रीडम 250 इंडीकार ग्रांड प्रिक्स' रेस से जोड़ा गया।

मेलानिया ट्रंप ने कहा कि ये दोनों विश्वविद्यालय अब उन 26 शैक्षणिक संस्थानों के गठबंधन का हिस्सा बनेंगे, जो फोस्टर केयर से जुड़े युवाओं को कॉलेज जाने, करियर शुरू करने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि या निवेश तकनीक, बुनियादी ढांचे या पूंजी बाजार में नहीं, बल्कि हमारे बच्चों में है।

मेलानिया ने इस पहल को उस तेजी से बदलती दुनिया से जोड़कर देखा, जहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स और नई इंडस्ट्रीज रोजगार के स्वरूप को बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका की भविष्य की ताकत इस बात पर निर्भर करेगी कि वह अपने युवाओं को इस बदलती दुनिया के लिए कितना तैयार करता है। उन्होंने कहा, 'कल के नेता आज कक्षाओं में बैठे हैं, जिनमें फोस्टर केयर में बड़े हो रहे बच्चे भी शामिल हैं। उनकी प्रतिभा किसी से कम नहीं है।' इस पहल का उद्देश्य योग्य और प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान करना है और उन्हें आर्थिक तथा सामाजिक बाधाओं को पार करने में मदद देना है। यह कार्यक्रम फोस्टर केयर सिस्टम से बाहर निकलने के बाद भी युवाओं को उच्च शिक्षा और नौकरी की दुनिया में आगे बढ़ने के लिए सहयोग देता है। मेलानिया ट्रंप ने कहा कि हमारा लक्ष्य सरल लेकिन बदलाव लाने वाला है। फोस्टर केयर समुदाय के हर युवा को कॉलेज की शिक्षा पाने, एक सार्थक करियर शुरू करने और लंबे समय तक आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने का अवसर मिलना चाहिए। फॉक्स स्पोर्ट्स और इंडीकार, इंडियाना यूनिवर्सिटी और पर्ड्यू यूनिवर्सिटी में दी जाने वाली इन छात्रवृत्तियों के लिए वित्तीय सहायता देंगे। फॉक्स स्पोर्ट्स के अध्यक्ष और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर एरिक शैंक्स ने कहा कि यह साझेदारी फोस्टर युवाओं को अपने भविष्य के निर्माण के लिए जरूरी सहयोग प्रदान करेगी। शैंक्स ने कहा, 'फॉक्स को गर्व है कि वह इंडीकार के अपने साझेदारों के साथ मिलकर इंडियाना यूनिवर्सिटी और पर्ड्यू यूनिवर्सिटी में छात्रवृत्ति उपलब्ध करा रहा है, ताकि फोस्टर केयर से जुड़े युवाओं को उज्ज्वल भविष्य बनाने के लिए जरूरी साधन और समर्थन मिल सके।'

संक्षिप्त खबरें

ब्रिटिश रैपर यंग फिली को ऑस्ट्रेलिया में दुष्कर्म के आरोपों पर फिर चलेगा मुकदमा

पर्थ, यूटर्न/ 21 अगस्त । ब्रिटिश रैपर यंग फिली पर ऑस्ट्रेलिया में दुष्कर्म के तीन आरोपों को लेकर दोबारा मुकदमा चलेगा।एक निर्णायक मंडल (जूरी) ने यौन उत्पीड़न के कई आरोपों में उन्हें बरी कर दिया लेकिन अन्य आरोपों पर फैसला नहीं दे सकी। यूट्यूबर यंग फिली का वास्तविक नाम एंड्रेस फेलिपे वालेंसिया बैरिएंटोस है। उन पर 2024 में पर्थ के एक नाइट क्लब में प्रस्तुति देने के बाद एक प्रशंसक के साथ बार-बार दुष्कर्म और मारपीट करने के आरोप लगाए गए थे। फिली ने हालांकि सभी 10 आरोपों से इनकार किया था। पिछले महीने जूरी ने उन्हें दुष्कर्म के तीन आरोपों में दोषी नहीं पाया। उन्हें मारपीट के एक और गला दबाने के एक आरोप से भी बरी कर दिया गया। हालांकि, उन्हें मारपीट के दो अन्य मामलों में दोषी करार दिया गया , जिनमें सजा उनके दोबारा मुकदमे के बाद सुनाई जाएगी।

यमन की सेना ने पिछले 24 घंटों में हूतियों के खिलाफ 81 अभियान चलाए

अदन, यूटर्न/ 21 अगस्त । यमन के सशस्त्र बलों ने पिछले 24 घंटों में ईरान-समर्थित इस्लामी मिलिशिया के खिलाफ कुल 81 सैन्य अभियान चलाए। यमन के सशस्त्र बलों के प्रवक्ता कर्नल माजिद अल-नाज़िली ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर जारी एक बयान में बताया कि ये अभियान सभी मोर्चों पर चलाए गए, जिसके कारण कई हूती नेता और लड़ाके मारे गए या अक्षम हो गए और सैन्य उपकरण व वाहन नष्ट हो गये। उन्होंने कहा कि ये अभियान नागरिकों के बुनियादी ढांचे पर हूतियों के बार-बार हमलों और यमन की नागरिक आबादी पर लगाए गए घेराबंदी के जवाब में चलाए गए थे। श्री अल-नाज़िली ने मिलिशिया पर देश के अल-धब्बा बंदरगाह को निशाना बनाने और तेल निर्यात को रोकने के लिए मजबूर करने, सना हवाई अड्डे और यमेनिया विमान को नष्ट करने, साथ ही होदेइदाह, सलीफ और रास ईसा के बंदरगाहों पर हमले करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हूती मोखा बंदरगाह, अल-अर्दी एंकरेज, साथ ही भोजन ले जाने वाले जहाजों और मारिब में विस्थापन शिविरों को निशाना बनाना जारी रखे हुए हैं।

पेरू में 6.7 तीव्रता का जोरदार भूकंप: धरती कांपी, दहशत में लोग, फिलहाल नुकसान की खबर नहीं

लीमा, यूटर्न/ 21 अगस्त । दक्षिण अमेरिकी देश पेरू गुरुवार को 6.7 तीव्रता के एक शक्तिशाली भूकंप से थर्रा गया। देश के दक्षिणी एंडीज पर्वतीय क्षेत्र में आए इस भूकंप ने लोगों में भारी दहशत भर दी, जिसके चलते वे अपने घरों से बाहर निकलने पर मजबूर हो गए। हालांकि, अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, फिलहाल इस प्राकृतिक आपदा से किसी तरह के जान-माल के बड़े नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। यूएसजीएस द्वारा जारी जानकारी के मुताबिक, यह भूकंप स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 1 बजे आया। इसका केंद्र पेरू के अयाकुचो क्षेत्र के परिनाकोचास प्रांत में स्थित उपाहुआचो शहर से 38 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था। भूकंप की गहराई 66.7 किलोमीटर दर्ज की गई, जो सतह से काफी नीचे थी, और अक्सर अधिक गहरे भूकंपों से सतह पर कम क्षति होती है। भूकंप के जोरदार झटके दक्षिणी पेरू के कई इलाकों में महसूस किए गए, जिनमें इका और अरेक्विपा जैसे शहर भी शामिल हैं। कई सेकंड तक धरती लगातार हिलती रही, जिससे लोगों में चीख-पुकार मच गई। घबराए लोग भागो-भागो कहते हुए अपने घरों से बाहर की ओर भागे और खुले मैदानों या सड़कों पर सुरक्षित स्थान तलाशने लगे।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *